Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -269 मंगलवार ,02 अगस्त 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

विपत्ति से बढ़कर तर्जुबा सिखाने वाला विद्यालय आज तक नहीं खुला।

-प्रेमचंद-

नरेंद्र मोदी कैबिनेट में फेरबदल कभी भी,छत्तीसगढ़ से मिल सकता है मौका,जेडीयू और शिंदे गुट को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली /रायपुर, 01 अगस्त 2022। भाजपा नेतृत्व ने मिशन 2024 की रणनीति के तहत संगठन स्तर पर किए जा रहे तमाम बदलावों के बीच केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल व विस्तार की तैयारी शुरु कर दी है। इस छोटे लेकिन अहम फेरबदल में छ्ष्ठ शिंदे गुट और दक्षिण के चुनावी राज्यों के अलावा छत्तीसगढ़ के किसी एक सांसद को केंद्र में मंत्री बनने का मौका मिल सकता है।

बता दें कि अभी मोदी कैबिनेट में केवल सरगुजा सांसद रेणुका सिंह को राज्य मंत्री बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में 2023 में विधानसभा चुनाव होना है इस लिहाज से छत्तीसगढ़ के सांसदों को मंत्री बनाने भाजपा नेतृत्व ने मंथन शुरु कर दिया है । केंद्रीय मंत्रिमंडल में अभी प्रधानमंत्री समेत 29 कैबिनेट मंत्री हैं। दो स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्रियों के साथ 47 राज्यमंत्री हैं। राज्य मंत्रियों में दो स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह व राव इंद्रजीत सिंह भी शामिल हैं।

आरसीपी सिंह व मुख्तार अब्बास नकवी के प्रभार वाले दोनों पद अभी रिक्त

बता दें कि बीते दिनों राज्यसभा कार्यकाल पूरा होने और फिर से चुन कर न आने से जदयू के आरसीपी सिंह व भाजपा के मुख्तार अब्बास नकवी ने इस्तीफा दे दिया था। यह दोनों पद अभी रिक्त हैं। इनमें इस्पात मंत्रालय ज्योतिरादित्य सिंधिया व अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय स्मृति ईरानी को दिया गया है।

शिवसेना के बागी गुट को मिलेगी जगह

इस बीच, शिवसेना के बागी गुट के भाजपा के साथ आने और महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद उसे भी केंद्र में जगह दिए जाने की संभावना है। इससे उद्धव ठाकरे को एक और झटका देने के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाले गुट का असली शिवसेना का दावा और मजबूत किया जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ से सांसद अरुण साव को मिल सकता है मौका

बता दें कि छत्तीसगढ़ में 2023 में विधानसभा चुनाव होना है इस लिहाज से छत्तीसगढ़ के सांसदों को मंत्री बनाने भाजपा नेतृत्व ने मंथन शुरु कर दिया है। इस छोटे लेकिन अहम फेरबदल में बिलासपुर सांसद अरुण साव का नाम सबसे आगे है। अरुण साव ओबीसी वर्ग के साहू समाज से आते हैं, इस लिहाज से वो भाजपा नेतृत्व के मिशन 2024 की रणनीति के तहत बिल्कुल फिट बैठते हैं। साव एबीवीपी की पृष्ठभूमि से आते हैं। इसके अलावा ओबीसी वर्ग से महासमुंद सांसद चुन्नीलाल का नाम भी दौड़ में शामिल है।

इन नामों पर भी विचार

मिशन 2024 की रणनीति के तहत होने इस फेरबदल में राज्यसभा सांसद सरोज पांडे और संतोष पांडे का नाम भी शामिल है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा अगर किसी सामान्य वर्ग के नेता को छत्तीसगढ़ में आगे लाना चाहती है तो इन दोनों चेहरों को भाजपा नेतृत्व की मंजूरी मिल सकती है। सूत्रों का कहना कि भाजपा नेतृत्व की छत्तीसगढ़ पर नजर बनी हुई है। पार्टी की ओर से दिल्ली से भेजे गए संगठन नेता और केन्द्रीय मंत्री लगातार प्रदेश का दौरा कर कार्यकर्ताओ से मिले फीडबैक सीधे पीएम और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तक पहुंचा रहें हैं।

शहर के इस अस्पताल में लगी भीषण आग

10 मरीजों की दर्दनाक मौत, सीएम ने दिए निर्देश

जबलपुर, 01 अगस्त 2022। शहर के एक निजी अस्पताल में भीषण आग लग गयी जिससे लगभग 10 मरीजों की मौत की जानकारी मिल रही है। जबलपुर में चंडाल भाटा क्षेत्र में न्यू लाइफ मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आज दोपहर को आग लग गई। फायर ब्रिगेड आग पर काबू करने का प्रयास कर रही है। पुलिस और प्रशासन के बड़े अधिकारी भी मौके पर हैं। जानकारी के मुताबिक कई रुप से झुलस गए हैं।

घटना पर दुःख जताते हुए सीएम शिवराज सिंह ने लिखा - जबलपुर के एक अस्पताल में भीषण अग्नि दुर्घटना का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। स्थानीय प्रशासन और कलेक्टर से निरंतर संपर्क में हूं। मुख्य सचिव को संपूर्ण मामले पर नजर बनाये रखने के लिए निर्देश दिया है। राहत एवं बचाव के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेंदुए ने 7 साल के बच्चे पर किया हमला, गंभीर रूप से घायल

अमरोहा , 01 अगस्त 2022। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक तेंदुए ने सात साल के बच्चे को गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसे घसीट कर जंगल में ले जाने की कोशिश की. लेकिन बच्चे की चीख-पुकार से आसपास के ग्रामीण सतर्क हो गए और वे उसे बचाने के लिए दौड़ पड़े.

शोर सुनकर तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला. लड़के की गर्दन और सिर में गहरे घाव हैं. उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है. घटना हसनपुर थाना क्षेत्र के जुझाइला गांव की है.

वन अधिकारी विनोद कुमार ने कहा कि हमने तेंदुए को फंसाने के लिए पिंजरे लगाए हैं. इलाके में रहने वाले ग्रामीणों को भी सतर्क कर दिया गया है.

सड़क हादसे में 3 कांवड़ियों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

वाराणसी, 01 अगस्त 2022। प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर सोमवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन कांवड़ियों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा उस वक्त हुआ, जब सर्विस लेन में दो बाइक आमने-सामने हो गई. दो घायल कांवड़ियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हादसे में जान गंवाने वाले तीन कांवड़ियों की पहचान नहीं हो पाई है.।

सत्येंद्र प्रकाश बने PIB के नए प्रधान महानिदेशक, आज से संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली 01 जुलाई 2022। भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी सत्येंद्र प्रकाश को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) का प्रधान महानिदेशक नियुक्त किया गया है। प्रकाश आज से कार्यभार संभालेंगे। 1988 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारी एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रधान महानिदेशक प्रकाश, जयदीप भटनागर की जगह पदभार संभालेंगे। भटनागर रविवार को सेवानिवृत्त हो गए।

अपनी नवोन्मेषी कार्य शैली के लिए जाने जाने वाले प्रकाश को कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से चलाई गई मुहिमों के लिए निर्वाचन आयोग ने सम्मानित किया था। तीन दशक के अपने करियर में प्रकाश ने पत्र सूचना कार्यालय में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और नागर विमानन मंत्रालय में विभिन्न पदों पर सेवाएं दी हैं।

1986 बैच के IAS अधिकारी भटनागर दूरदर्शन न्यूज में वाणिज्य, बिक्री एवं विपणन विभाग के प्रमुख के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं।उन्होंने प्रसार भारती विशेष संवाददाता पश्चिम एशिया के रूप में भी काम किया और इस दौरान 20 देशों को कवर किया। वह बाद में आकाशवाणी में समाचार सेवा प्रभाग के प्रमुख बने। पीआईबी के पश्चिमी क्षेत्र के महानिदेशक मनीष देसाई, केंद्रीय संचार ब्यूरो में प्रकाश की जगह लेंगे।

1989 बैच के IAS अधिकारी देसाई ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों जैसे विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, आकाशवाणी समाचार, प्रसार भारती और भारतीय जनसंचार संस्थान में सेवाएं दी हैं।

लोकसभा में गतिरोध समाप्त,कांग्रेस के 4 सांसदों का निलंबन खत्म,सदन में महंगाई पर चर्चा शुरू

नई दिल्ली 01 जुलाई 2022। लोकसभा में सांसदों के निलंबन से पैदा हुआ गतिरोध खत्म हो गया है। सोमवार को लोकसभा में सांसदों के निलंबन को हटाने का प्रस्ताव पारित हुआ और इसके साथ ही निलंबित सांसदों का निलंबन निरस्त किया गया। इसी के साथ संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध खत्म हो गया। अब सदन में महंगाई पर चर्चा भी शुरू हो गई है।

दरअसल, संसद के मॉनसून सत्र में महंगाई, जीएसटी जैसे मुद्दों को लेकर जमकर हंगामा हो रहा है। विपक्ष लगातार इन मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। जुलाई के आखिरी में संसद में प्लेकॉर्ड दिखाने के चलते कांग्रेस के चार सांसदों को लोकसभा से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। जिन चार सांसदों को निलंबित किया गया था, वे मनिकम टैगोर, टीएन प्रतापन, जोथिमणि और राम्या हरिदास हैं।

सरकार ने संसद में जारी गतिरोध के बीच सोमवार को कहा कि महंगाई के मुद्दे पर दोनों सदनों में मंगलवार को चर्चा कराई जाएगी। सरकार की ओर से कहा गया कि इस मुद्दे पर लोकसभा में आज भी चर्चा हो सकती थी लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण ऐसा नहीं हो सका। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने दोनों सदनों की कार्यवाही दूसरी बार स्थगित किए जाने के बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सरकार महंगाई पर चर्चा कराने के लिए शुरू से तैयार है लेकिन विपक्ष ने बिना कारण हंगामा किया। जोशी के साथ राज्य सभा में सदन के नेता और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी थे।

लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने पूर्वाह्न कार्यवाही शुरू होते ही झारखंड और गुजरात के घटनाओं का उल्लेख कर हंगामा शुरू कर दिया। गोयल ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कोविड संक्रमण हो गया था। उनके स्वस्थ होकर आने के बाद महंगाई के मुद्दे पर सरकार बातचीत के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष सदन चलने नहीं दे रहा था। इससे पहले लोकसभा और राज्य सभा में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और नारेबाजी के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और उसके बाद दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में गोयल ने कहा कि महंगाई पर चर्चा कराने के लिए विपक्ष के साथ सहमति बन गई है। लोकसभा में आज और राज्य सभा में कल इस पर चर्चा होगी, लेकिन विपक्षी दल शोरगुल कर रहे हैं और वे चर्चा नहीं चाहते हैं। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में कई घटनाएं हो रही हैं, इनमें झारखंड और गुजरात की घटनाएं प्रमुख हैं। सदस्यों ने इन पर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिए हैं। सरकार ने इन नोटिस का उल्लेख भी नहीं किया है।

गौरतलब है कि झारखंड के तीन विधायकों को कोलकाता पुलिस ने भारी नगदी के साथ गिरफ्तार किया है। गुजरात में जहरीली शराब से हुई मौतों पर विपक्षीय सदस्य चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं। जोशी और गोयल ने कहा कि सरकार किसी मुद्दे पर चर्चा से पीछे नहीं हटती और व्यवस्थित ढंग से कोई भी मुद्दा चर्चा के लिए लिया जा सकता है। उन्होंने विपक्ष से सहयोग का आग्रह किया।

monkeypox से भारत में पहले मरीज की मौत

केरल, तिरुवनंतपुरम, 01 अगस्त 2022। भारत में monkeypox बीमारी से पहले मरीज की जान चली गई है। इससे ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये बीमारी कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। केरल स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि - ÷एक युवा लड़का 22 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात से लौटा था। 26 जुलाई को उसे बुखार हुआ जब वह अपने परिवार के साथ था और इसके बाद उसे 27 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 28 जुलाई को उसे वेंटिलेटर पर ले जाया गया।

लेकिन 30 जुलाई को उस व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने आगे बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार, उच्च जोखिम वाले 20 लोगों की पहचान की गई है, जिन्हें निगरानी में रखा गया है। इनमें परिवार के सदस्य, दोस्त और चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं जो शायद मृतक के संपर्क में आए हों।

टीना डाबी की बहन रिया डाबी भी बनीं IAS अधिकारी,इस जिले में होंगी असिस्टेंट कलेक्टर

नई दिल्ली, 01 अगस्त 2022। चर्चाओं में रहने वाली द्रूस अधिकारी टीना डाबी के परिवार में अब एक और अधिकारी की एंट्री हो गई है। खबर है कि उनकी छोटी बहन रिया ने भी द्रूस की परीक्षा पास कर ली है। उन्होंने पहले ही प्रयास में यह सफलता हासिल की है। फिलहाल, राजस्थान के जैसलमेर में पदस्थ टीना ने परीक्षा में पहली रैंक हासिल की थी।

खबर है कि रिया को भी राजस्थान के अलवर जिला दिया गया है। वह, जिले में सहायक कलेक्टर के तौर पर काम करेंगी। इस उपलब्धि पर बड़ी बहन टीना ने भी बधाई दी है। उन्होंने UPSC परीक्षा में 15वीं रैंक हासिल की है। खास बात है कि महज 23 साल की उम्र में ही रिया ने यह कठिन परीक्षा पास की है। अब दोनों बहनें एक ही राज्य में नियुक्त होंगी।

रिया ने ग्रेजुएशन राजधानी दिल्ली स्थित लेडी श्रीराम कॉलेज से किया है। ग्रेजुएट होने के तुरंत बाद ही उन्होंने UPSC के लिए तैयारी शुरू कर दी थी। साल 2020 में वह पहली बार इस परीक्षा में शामिल हुई और इसे पास कर लिया। इधर, टीना हाल में एक बार फिर द्रूस अधिकारी अतहर आमिर खान से तलाक के बाद चर्चाओं में आ गई थी। आमिर भी डॉक्टर मेहरीन काजी से सगाई कर चुके हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आई भारी गिरावट,महंगाई की मार से मिली हल्की राहत

नई दिल्ली, 01 अगस्त 2022। आम आदमी को महंगाई की मार से हल्की राहत मिली है. दरअसल, एलपीजी सिलेंडर के दाम घटा दिए गए हैं. इंडियन ऑयल की ओर से जारी नए रेट के मुताबिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में 36 रुपये की कटौती की गई है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम में यह कटौती दिल्ली से पटना, जयपुर से दिसपुर, लद्दाख से कन्याकुमारी तक हुई है। एलपीजी सिलेंडर के रेट में मिली ये राहत कॉमर्शियल सिलेंडर का उपयोग करने वाले को मिली है।

दिल्ली में आज से 19 किलो वाला एलपीजी सिलेडर 2012.50 रुपये की जगह 1976.50 रुपये में मिलेगा। वहीं, कोलकाता में पहले यह 2132.00 रुपये में मिलता था, लेकिन एक अगस्त से 2095.50 रुपये में मिल रहा है। मुंबई में आज से कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत घटकर 1936.50 और चेन्नई में 2141 रुपये हो गई है।

ज्ञात हो कि बिना सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम पिछले दो साल में बेहताशा बढ़े हैं, लेकिन नए रेट के मुताबिक आज न तो महंगे हुए हैं और न ही सस्ते। आज भी 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 6 जुलाई के रेट पर ही मिल रहा है।

संसद में दिखा अनोखा नज़ारा

टीएमसी सांसद चबाने लगी कच्चा बैंगन

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। लोकसभा संसद में आज महंगाई के मुद्दे पर चल रही बहस के दौरान अजीबो गरीब नज़ारा देखने को मिला। जब तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष सदन की कार्यवाही के दौरान कच्चा बैंगन खाने लगीं। दरअसल, काकोली घोष ने महंगाई विरोध जताने के लिए यह तरीका अपनाया था। उन्होंने संसद के निचले सदन में खड़े होकर एक कच्चा बैगन दिखाया। जिसके बाद उन्होंने वही कच्चा बैंगन खाना शुरू कर दिया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि वो अगर सब्जी को कच्चा खा जाती हैं तो पैसे की काफी बचत होगी। सरकार चाहती है कि हम कच्ची सब्जियां खाएं।

इससे पहले सदन की चर्चा में उन्होंने कीमतों की बढ़ोतरी पर बहस की इजाजत देने के लिए स्पीकर का धन्यवाद किया। TMC सांसद ने अपने वक्तव्य में कहा कि बीते कुछ महीनों में रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें चार बार बढ़ाई गई हैं। पहले रसोई गैस 600 रुपये थी, जो अब 1,100 रुपये की हो गई है। सरकार को सिलेंडर की दरों को घटाना चाहिए।

ज्ञात हो कि पिछले एक साल में सिलेंडरों की कीमत में लगभग 8 बार बढ़ोत्तरी हुई है। हाल ही में जुलाई महीने में भी एलपीजी की कीमतों में 50 रु की बढ़ोत्तरी की गयी थी।

स्कूल में बच्चों के 'कलमा' पढ़ने पर हुआ हंगामा,अभिभावकों ने किया विरोध

कानपुर, 01 अगस्त 2022। कानपुर में 'फ्लोरेट्स स्कूल' उस समय विवादों में आ गया जब छात्रों को कथित तौर पर सुबह की प्रार्थना के हिस्से के रूप में 'कलमा' सुनाने के लिए कहा गया. इसको लेकर माता-पिता और कुछ हिंदू संगठनों ने विरोध किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसने मामले में हस्तक्षेप किया और स्कूल से इस प्रथा को रोकने के लिए कहा.

बता दें कि 2003 में स्थापित स्कूल में गायत्री मंत्र, गुरुबानी और कलमा सुबह की सभा में पढ़ाया जा रहा है. यह प्रथा एक दशक से चल रही है, लेकिन अचानक दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताई. इसको लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल छात्रों पर धर्म थोप रहा है. स्कूल के प्राचार्य सुमित मखीजा ने कहा कि, ÷इस विवाद के बाद अब प्रबंधन ने सुबह की सभा के दौरान केवल राष्ट्रगान पर ही टिके रहने का फैसला किया है.÷ प्रिंसिपल ने स्पष्ट किया है, ÷निश्चित रूप से किसी एक धर्म को बढ़ावा देने का कोई इरादा नहीं है.÷

उन्होंने सोमवार को संवाददाओं से कहा, ÷इस स्कूल में वर्षों से यह प्रथा रही है. स्कूल डायरी में हिंदू, सिख, ईसाई, इस्लाम सहित सभी प्रमुख धर्मों के छंद लिखे गए हैं. सभी धर्मों को समान सम्मान देने के लिए छंदों को पढ़ना एक अभ्यास के रूप में शुरू किया गया था. अब अचानक, हिंदू कट्टरपंथियों के एक समूह और कुछ माता-पिता ने इसका विरोध किया है.÷ इस बीच, स्कूल अधिकारियों ने कहा है कि वे संबंधित अभिभावकों के साथ मिलकर इसे सुलझा लेंगे.

प्रधान आरक्षक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या, सुबह सरकारी आवास में फंदे पर झूलते मिला शव,कारण अज्ञात

श्योपुर, 01 अगस्त 2022। जिला मुख्यालय में एक प्रधान आरक्षक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आत्महत्या की खबर से जहां थाने का स्टाफ सदमे में है वहीं पुलिस महकमा भी स्तब्ध है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक पातीराम सोलंकी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना कोतवाली थाने के पीछे पुलिस विभाग के सरकारी आवास की बताई जाती है। उनका शव सरकारी आवास के भीतर लटका मिला था। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर कोतवाली थाना पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

आत्महत्या का कारण अज्ञात है। प्रधान आरक्षक ने काम के तनाव, विभागीय प्रताड़ना या पारिवारिक कारणों से आत्महत्या की है यह जांच के बाद पता चलेगा। फिलहाल आत्महत्या को लेकर पुलिस विभाग सहित पूरे शहर में चर्चा है। आत्महत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट से होगा।

संपादकीय

तीसरे मोर्चे की भी तैयारी है

भारत में अभी तक कोई भी आम चुनाव ऐसा नहीं हुआ है, जिसमें कोई तीसरा मोर्चा नहीं हो। हर चुनाव में दो बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों के बीच मुकाबले में एक तीसरा मोर्चा होता है। इस बार ऐसा लग रहा था कि भाजपा के खिलाफ सभी पार्टियां एकजुट हो सकती हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। कई पार्टियां ऐसी हैं, जिनकी भाजपा से ज्यादा खुन्नस कांग्रेस पार्टी से दिख रही है। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ऐसी ही पार्टियों में से एक है, जिसका मकसद कांग्रेस को कमजोर करना दिख रहा है। पता नहीं अपनी किसी रणनीति के तहत सपा ऐसा कर रही है या किसी अदृश्य ताकत के कहने पर ऐसा कर रही है? सोचें, सपा एक समय में कांग्रेस की सहयोगी रही है और हमेशा दोनों पार्टियों में सद्भाव रहा है। मनमोहन सिंह की सरकार से जब वामपंथी पार्टियों ने समर्थन वापस लिया था तब सपा ने ही सरकार बचाई थी।

अब अखिलेश यादव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ मिल कर गैर भाजपा और गैर कांग्रेस पार्टियों को इकट्ठा करने की रणनीति पर बात की है। दोनों नेताओं की दिल्ली में मुलाकात हुई और कांग्रेस को छोड़ कर बाकी दलों की एकजुटता के बारे में चर्चा हुई। केसीआर की बात समझ में आती है क्योंकि तेलंगाना में कांग्रेस अब भी एक ताकत है और वह टीआरएस के वोट काट सकती है। लेकिन उत्तर प्रदेश में तो कांग्रेस कोई ताकत नहीं है! ऐसा लग रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की सक्रियता और यूपी में कांग्रेस के अकेले खड़े होने के प्रयास से अखिलेश परेशान हैं। ऐसी परेशानी हर प्रादेशिक क्षत्रप को है क्योंकि ज्यादातर प्रादेशिक पार्टियां कांग्रेस का ही वोट लेकर मजबूत हुई हैं। इसलिए जिस राज्य में भी कांग्रेस अपना संगठन मजबूत करने का प्रयास शुरू करती है, वहां का क्षत्रप नाराज हो जाता है। इन प्रादेशिक क्षत्रपों से अलग आम आदमी पार्टी की राजनीति है, जिसको हर जगह कांग्रेस की जगह लेनी है। सो, सपा से लेकर आप और टीआरएस से लेकर तृणमूल तक सब परदे के पीछे किसी तीसरे मोर्चे की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

भारत में बढ़ती जनसंख्या विस्फोट

भारत की जनसंख्या करीब 140.80 करोड़ है और यह प्रत्येक मिनट बढ़ रही है, क्योंकि औसतन 30 बच्चे हरेक मिनट पर जन्म लेते हैं। चीन में यह औसत 10 रह गई है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रपट के मुताबिक, भारत की आबादी 141 करोड़ से अधिक है और 2023 में वह चीन को पार कर जाएगा। आबादी 142.9 करोड़ से अधिक होगी। चूंकि 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस था, लिहाजा ये आंकड़े हमें सचेत करते हैं। दुनिया की कुल ज़मीन का मात्र 2 फीसदी ही भारत के हिस्से में है। पानी सिर्फ 4 फीसदी उपलब्ध है, लेकिन आबादी 18 फीसदी से ज्यादा है। एक दौर ऐसा आ सकता है, जब एक-एक इंच जमीन, एक बाल्टी पानी, स्वच्छ घी, दूध, फल-सब्जी आदि के लिए भारत में मार-काट के हालात बन सकते हैं! भारत में जनसंख्या असन्तुलन के मद्देनजर अव्यवस्था और अराजकता के लिए विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री समेत लगभग सभी बड़े राजनेता आज भी 125-130 करोड़ की आबादी पर ही अटके हैं। कुछ अपडेट मुख्यमंत्री और नेता 135 करोड़ आबादी का उल्लेख करते रहे हैं। किसी को यथार्थ की विस्फोटक स्थितियों की जानकारी ही नहीं है। ऐसे में देश के सबसे बड़े और अधिकतम आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चिंता जताते हैं कि एक वर्ग विशेष की आबादी तेज गति से बढ़नी नहीं चाहिये। और मूल निवासियों की जनसंख्या लगातार घटनी नहीं चाहिये, तो उन पर हिंदू-मुसलमान के आरोपों की बौछार शुरू हो जाती है। आरएसएस और भाजपा का जनसंख्या सम्बन्धी एजेण्डा याद आने लगता है। मुख्यमंत्री योगी ने हमारी जनसंख्या की हकीकत बयां की है। यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की ऐसी समस्या है, जो देश के औसत नागरिक का स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, स्वच्छ पर्यावरण और पोषण आदि को छीन सकती है। इस दौरान टीवी चैनलों पर एक दृश्य दिखाया जाता रहा कि उत्तर प्रदेश में ही एक पिता और दो माताओं की 19 संतानें हैं। पिता जर्जर काया है। गरीब लगता है, लेकिन बच्चों को ÷भगवान का उपहार मान रहा है। यह परिवार कैसे गुजारा करता होगा, भोजन की व्यवस्था कैसे होती होगी, बच्चों की पढ़ाई और पोषण की स्थिति क्या है, सिर पर छत भी नहीं है। ऐसे असंख्य उदाहरण इस देश में होंगे। क्या उनके रहते जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए जा सकते हैं? यह भारत के जनसंख्या असन्तुलन और नियंत्रण के प्रति अज्ञानता, का एक वीभत्स उदाहरण भी है। इस समस्या से जागरूकता और प्रचार के स्तर पर ही निपटा नहीं जा सकता। भारत में जनसंख्या पर एक कड़ा कानून होना चाहिये। चीन को उदाहरण माना जा सकता है। यदि 1979 में चीन ने एक बच्चा नीति वाला कानून कड़ाई से लागू नहीं किया होता, तो आज चीन की आबादी 250 करोड़ से अधिक होती। आज चीन की आबादी की गति भारत से कम है। हालांकि हमारे यहां भी प्रजनन दर कम हुई है, मृत्यु दर भी कम हुई है, लेकिन औसत जिन्दगी की उम्र 70 साल से ज्यादा है। भारत में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति अब नहीं है, लेकिन फिर भी आबादी बढ़ रही है और हमारे संसाधन सीमित हैं। संयुक्त राष्ट्र और वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के मुताबिक, दुनिया की आबादी फिलहाल 795.95 करोड़ से ज्यादा है, जो इसी साल के अंत या 2023 के शुरू में 800 करोड़ के पार जा सकती है। दुनिया में प्रति मिनट औसतन 270 बच्चों का जन्म हो रहा है। विश्व स्तर पर यह बढ़ोतरी मानवता के पक्ष में नहीं है। दरअसल भारत के सन्दर्भ में बढ़ती आबादी वर्ग विशेष के लिए भी खतरनाक है, क्योंकि वह अपेक्षाकृत अशिक्षित, गरीब, कुप्रथाओं में जकड़ा है। वह बच्चों को अपनी ताकत मानता रहा है, लेकिन पालन पोषण को लेकर मोहताज है। यदि एक वर्ग की आबादी बढ़ती रहे और दूसरी तरफ ईसाई, पारसी, जैन आदि अल्पसंख्यक समुदायों की आबादी की बढ़ोतरी नकारात्मक रहे, तो आबादी का ऐसा असंतुलन देशहित में नहीं है। बहरहाल भारत सरकार को पहल करनी होगी और देशभर में विमर्श की शुरुआत। यह सिर्फ वर्ग विशेष को निशाना बनाने की समस्या नहीं है। सुरस की भांति बढ़ रही है। इस पर कानून का ड्राफ्ट बने।

-अजय दीक्षित-

राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैंकैया

हर्षवर्धन पाण्डे
नई दिल्ली

अंग्रेजों की गुलामी से आज़ाद होने के लिए असंख्य लोगों ने अपना बलिदान दिया, उनमें से अनेक लोगों को आज हम विस्मृत कर चुके हैं। देश की आन, बान और शान तिरंगा किस तरह वजूद में आया ये भी आज शायद गिने चुने लोगों को याद होगा। तिरंगे झंडे का जब भी जिक्र आएगा तो पिंगली वैंकैया के नाम का नाम स्मरण किए बिना शायद वो अधूरा रहे।

पिंगली वैंकैया का जन्म 2 अगस्त, 1876 को वर्तमान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के निकट भाटलापेन्नुमारु नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम हनुमंतारायुडु और माता का नाम वेंकटरत्नम्मा था। मछलीपत्तनम से हाई स्कूल उत्तीर्ण करने के बाद वो अपने वरिष्ठ कैम्ब्रिज को पूरा करने के लिए कोलंबो चले गये। भारत लौटने पर उन्होंने एक रेलवे गार्ड के रूप में और फिर बेल्लारी में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में काम किया और बाद में वह एंग्लो वैदिक महाविद्यालय में उर्दू और जापानी भाषा का अध्ययन करने लाहौर चले गए।

वेंकैया कई विषयों के ज्ञाता थे, उन्हें भूविज्ञान और कृषि क्षेत्र से विशेष लगाव था। वह हीरे की खदानों के विशेषज्ञ थे। वेंकैया ने ब्रिटिश भारतीय सेना में भी सेवा की थी और दक्षिण अफ्रीका के एंग्लो-बोअर युद्ध में भाग लिया था। यहीं यह गांधी जी के संपर्क में आये और उनकी विचारधारा से बहुत प्रभावित हुए। 1906 से 1911 तक पिंगली मुख्य रूप से कपास की फसल की विभिन्न किस्मों के तुलनात्मक अध्ययन में व्यस्त रहे और उन्होनें बॉम्वोलार्ट कंबोडिया कपास पर अपना एक अध्ययन प्रकाशित किया। वह पट्टी वैंकैया (कपास वैंकैया) के रूप में विख्यात हो गये।

1899 से 1902 के बीच उन्होनें अफ्रीका के बायर युद्ध में भाग दिया वहीं पर उनकी मुलाक़ात महात्मा गांधी जी से हुई और वे उनके विचारों से बहुत अधिक प्रभावित हुए। स्वदेश वापस लौटने पर मुंबई में गार्ड की नौकरी में लग गए। इसी बीच मद्रास में प्लेग के चलते कई लोगों की मौत हो गई इससे उनका मन बहुत अधिक व्यथित हुआ और उन्होनें वह नौकरी छोड़ दी। वहाँ से मद्रास में प्लेग रोग उन्मूलन में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हो गए। पिंगली की संस्कृत, उर्दू और हिन्दी भाषा में अच्छी पकड़ थी। इसके साथ ही वो भू विज्ञान और कृषि के भी अच्छे जानकार थे। बात 1904 की है जब जापान ने रूस को हरा दिया। इस समाचार को सुनकर वो इतना प्रभावित हो गए कि उन्होनें जापानी भाषा सीख ली।पिंगली वेंकैय्या की संस्कृत, उर्दू व हिंदी आदि भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। इसके साथ ही वे भू-विज्ञान एवम कृषि के अच्छे जानकर भी थे।

1906 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता में हुआ जिसकी अध्यक्षता दादा भाई नौराजी ने की। इस सम्मेलन में दादाजी ने पिंगली के कार्यों की सराहना की। बाद में उन्हें राष्ट्रीय

काँग्रेस का सदस्य मनोनीत कर दिया गया। काँग्रेस के इस अधिवेशन में यूनियन जैक फहराया गया जिसे देखकर पिंगली वैंकैया का मन द्रवित हो उठा। उसी दिन से वे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की संरचना में लग गए। 1916 में उन्होनें ए नेशनल फ्लैग आफ़ इंडिया नामक पुस्तक प्रकाशित की जिसमें उन्होनें राष्ट्रीय ध्वज के 30 नमूने प्रकाशित किए थे। महात्मा गांधी के खेड़ा सत्याग्रह ने पिंगली का मन बदल दिया। उसी दौरान उन्होनें अमरीका से कंबोडिया नामक कपास के बीज का आयात किया और इस बीज को भारत के कपास के बीज के साथ अंकुरित कर भारतीय संकरित कपास का बीज तैयार किया जिसे (उनके इस शोध कार्य के लिए) बाद में वैंकैया कपास के नाम से भी जाना जाने लगा। उधर ब्रिटिश सरकार ने पिंगली वैंकैया को रायल एग्रीकल्चर सोसायटी आफ लंदन के सदस्य के रूप में मनोनीत कर उनका गौरव बढ़ाया। पाँच साल बाद भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की बैठक 1921 में विजयवाड़ा में हुई तो उसमें गांधी जी ने सभी को पिंगली के द्वारा तैयार राष्ट्रीय ध्वज के चित्रों की जानकारी दी। इसी बैठक में गांधी जी ने पिंगली के द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता दी। इस संदर्भ में महात्मा गांधी के 'यंग इंडिया' में अपने संपादकीय में 'अवर नेशनल फ़्लैग' शीर्षक से लिखा राष्ट्रीय ध्वज के लिए हमें बलिदान देने को तैयार रहना चाहिए। मछलीपट्टनम के आंध्र कालेज के पिंगली ने देश के झंडे के संदर्भ में एक पुस्तक भी प्रकाशित की जिसमें उन्होनें राष्ट्रीय ध्वज से संबन्धित अनेक चित्र प्रकाशित किए।

इसके बाद वह वापस मछलीपट्टनम लौट आये और 1916 से 1921 तक विभिन्न झंडों के अध्ययन में अपने आप को समर्पित कर दिया और अंत में वर्तमान भारतीय ध्वज विकसित किया। इसी बीच वहाँ पर वेंकय्या साहब क़ी मुलाकात महात्मा गाँधी जी से हो गई। वे उनके विचारों से काफी प्रभावित हुए, स्वदेश वापस लौटने पर मुंबई (तब मुंबई कों बम्बई कहा जाता था) में रेलवे में गार्ड की नौकरी में लग गए।

सन 1916 में पिंगली वेंकैया ने एक ऐसे ध्वज की कल्पना की जो सभी भारतवासियों को एक सूत्र में बाँध दे। उनकी इस पहल को एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी जी का साथ मिला और इन तीनों ने मिल कर नेशनल फ़्लैग मिशन का गठन किया। वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से सलाह ली और गांधी जी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँधने का संकेत बने। पिंगली वेंकैया लाल और हरे रंग के की पृष्ठभूमि पर अशोक चक्र बना कर लाए पर गांधी जी को यह ध्वज ऐसा नहीं लगा कि जो संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व कर सकता है। राष्ट्रीय ध्वज में रंग को लेकर तरह-तरह के वाद-विवाद चलते रहे।

गांधी जी ने यंग इंडिया' में अपने संपादकीय में आगे लिखा 'जब मैं विजयवाड़ा के दौरे में था उस दौरान पिंगली ने मुझे हरे और लाल रंगों से बने बिना चरखे वाले कई चित्र बनाकर दिये थे। हर झंडे की रूप रेखा पर उन्हें कम से कम 3 घंटे तो लगे ही थे। मैंने उन्हें एक झंडे के बीच में सफ़ेद रंग कि पट्टी डालने कि सलाह दी जिसका उद्देश्य था कि सफ़ेद रंग सत्य व अहिंसा का होता है। उन्होनें इसे तुरंत मान लिया'। इसी के बाद पिंगली द्वारा तैयार गया झंडा लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया।

अखिल भारतीय संस्कृत कांग्रेस ने सन् 1924 में ध्वज में केसरिया रंग और बीच में गदा डालने की सलाह इस तर्क के साथ दी कि यह हिंदुओं का प्रतीक है। फिर इसी क्रम में किसी ने गेरुआ रंग डालने का विचार इस तर्क के साथ दिया कि ये हिन्दू, मुसलमान और सिख तीनों धर्म को व्यक्त करता है। काफ़ी तर्क वितर्क के बाद भी जब सब एकमत नहीं हो पाए तो सन् 1931 में अखिल भारतीय कांग्रेस के ध्वज को मूर्त रूप देने के लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई। इसी साल कराची कांग्रेस कमेटी की बैठक में पिंगली वैंकैया द्वारा तैयार ध्वज, जिसमें केसरिया, श्वेत और हरे रंग के साथ केंद्र में अशोक चक्र स्थित था, को सहमति मिल गई। इसी ध्वज के तले आज़ादी के परवानों ने कई आंदोलन किए और 1947 में अंग्रेज़ों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

4 जुलाई 1963 को पिंगली का निधन हो गया। भारतीय डाक विभाग ने 12 अगस्त 2009 को पूरे 46 बरस बीतने के बाद पिंगली पर 5 रू का डाक टिकट जारी किया।

धमना

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जाँजगीर-चांपा छत्तीसगढ़

ए धमना! किंदर ले जम्मों अँगना
खेत-डोली बारी-बखरी अउ डंगना
कभु एती कभु ओती जम्मों कोती
घुम-घुम के खाय ला बस जान
अपन सक्ति ला झन पहिचान
भले तोर संख्या हे बड़ भारी
लम्बा-चउड़ा हस कइ हथारी
देह घलाउ मा कोनो कम नइ हस
चाल मा ककरो से कम नइ हस
फेर काबर सब्बो ले डराथस
पर ला देख भरभरा के भागथस
तोला सिधवा समझ के डरुवातेच रही
तोर अच्छाई के फयदा उठातेच रही
तोर सक्ति मा तोला बिश्वास नइहे
त तय कहाँ ले गउहा-डोमी बन पइहे
डोणिहा-पिटपिटी ला तो सक्ति देखा
करार-मुसलेणी से तो भक्ति करा
एसना एसना ला तय डरा झन
चाब के खोखखल दे
नइ तो फेर सउघे निग्गल दे
तभे तहुँ ला सब्बो झन डराही
अपन करनी के सजा जम्मों झन पाही
तय चाबना तो शुरू कर बिख आ जाही
नानकन-बड़का सब्बो ह सीख पा जाही।

क्यों...?

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा राजस्थान

जन्म के साथ ही मानव मन में
इच्छाएँ जन्म लेने लगती हैं।
चलती हैं जो इंसान के मन में
ताउम्र इच्छाएँ जन्म लेती हैं।
पूरी होती हैं कुछ,
कुछ अधूरी ही रह जाती हैं।
इस पूर्ण, अपूर्ण के मध्य में,
अनुत्तरित कई प्रश्न होते हैं।
हल जिनके शायद इन्ही में
छिपे हुए रहते हैं।
क्यों मानव इच्छाओं व
प्रश्नों के जालों को,
मकड़ी सा बुनता
इनमें उलझता हैं।
पाता क्या हैं सिर्फ एक इच्छा के
पूर्ण होने पर उभरती दूसरी इच्छा,
और इनके साथ ही प्रश्नों का अंबार।
फिर क्यों .....?
इच्छाओं व प्रश्नों का
सफर अंत तक भी
विराम नही लेता हैं।
क्यों..........?

मौसम-ए-इश्क

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

मौसम-ए-इश्क का यूं ,छाने लगा नशा।
बेखुद है दीवाना मन जाने कहां चला।
दिल से सुनो दिल का बयां, रहें लफ़्ज़ बेज़ुबां,
महकी हैं फ़िज़ाएं भी, बहकी सी है सबा।
दिलकश लगें तनहाईयां, ख़ामोशियां हसीं
लबों को आज सुनने दो, लबों की दास्तां।
जब से छुआ नज़र से,नज़र दुज़्दिदा हुई,
पलकों का उठना गिरना, क्या खूब है अदा।
कितने ख़याल ख़्वाहिशें, ख़्याबों की हसरतें,
कागज़ पे सज गये यूं ,जैसे प्यार की सदा।

दंगल

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

वो लफ़्ज़-लफ़्ज़ मेरी ग़ज़ल सी थी
झील में खिले किसी कंवल सी थी
मेरे ख़यालों में वो हमेशा से थी बसी
हक़ीक़त में माना जो बेशक्ल सी थी
रखे कुछ ख़्वाब यूँ सिरहाने पर मिले
किरचें गिरीं जहां, पड़ी रहल सी थी
ये जो यादों की पिटारी है ख़जाने सी
खो ना दूं, दिल में कहीं दहल सी थी
छुपाए खंजर, वो लबों मुस्कान ओढ़े
उसकी सीरत में नुमाया दग़ल सी थी

झुरमुटों से

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

झुरमुटों से सूरज का झाँकना सुखद लगता है।
साँझ ढले परींदों का घर लौटना सुखद लगता है।
हरेक की किस्मत में नही होता ये गर्म लिहाफ,
टूटे छप्पर तले अलाव तापना सुखद लगता है।
कुछ तुम कह न पाए, कुछ हम भी समझ न पाए,
निंदयारी पलकों की बतिया बाँचना सुखद लगता है।
सर्द हवा के झोकों सा वो मेरे पास आया, गुजर गया,
बीती यादों सा पलट के देखना सुखद लगता है।
अजनबी बन के मिले, हम जब भी करीब आये,
दूर जाके तेरे बारे में सोचना सुखद लगता है।

सुन.बंदे

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर,राजस्थान

चल लग जा तू अपने काम पर बंदे
दुनिया का मेला यूँ ही चलता रहेगा
किसको यहाँ तेरी अब फिक्र है बंदे?
तू कब तक यूँ ही राह तकता रहेगा
रुक मत तू अब निकल सफर पे बंदे
कब तक ख़्वाब तू यूँ ही देखता रहेगा?
अरमान पूरे अभी तुझे करने है बंदे
ख़्वाबों को कब तक यूँ सजाता रहेगा
तूफानों से कभी मत घबराना तू बंदे
मौसम तो एक दिन बदल के रहेगा
ज़मीन पे कदम,देख आसमां को बंदे
हर जंग ज़िन्दगी की जीतकर रहेगा

आदिवासी भारत के और कनाडा के

भारत में आदिवासियों को कितना महत्व दिया जाता है, इसे आप इसी तथ्य से समझ सकते हैं कि इस समय भारत की राष्ट्रपति एक आदिवासी, वह भी महिला द्रौपदी मुर्मू हैं और तीन राज्यपाल आज भी आदिवासी हैं। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसूय्या उइके ने जो मूलतः मध्यप्रदेश की हैं, आदिवासियों के लिए कई नई पहल की हैं। भारत में कई आदिवासी मुख्यमंत्री और मंत्री हैं और पहले भी रहे हैं। संसद में भी भारत के लगभग 50 सदस्य आदिवासी ही होते हैं। कई विश्वविद्यालयों के उप-कुलपति और प्रोफेसर भी आदिवासी हैं। भारत के कई डाक्टर और वकील भी आपको आदिवासी मिल जाएंगे। सरकारी नौकरियों और संसद में उन्हें आरक्षण की भी सुविधा है लेकिन आप जरा जानें कि अमेरिका और कनाडा के आदिवासियों का क्या हाल हैं। मैं अपनी युवा अवस्था से इन देशों में पढ़ता और पढ़ाता रहा हूं। मुझे इनके कई आदिवासी इलाकों में जाने का मौका मिला है। यह संयोग है कि मेरे साथी छात्रों में कभी कोई अमेरिकी या कनीडेयन आदिवासी नहीं रहा है। वहां के आदिवासी आज भी जानवरों की जिंदगी जी रहे हैं। उनसे माफी मांगने के लिए पोप फ्रांसिस, जो कि 86 साल के हैं, आजकल कनाडा गए हैं। व्हीलचेयर में बैठे पोप वहां क्यों गए हैं? ईसाई पादरियों और गोरे प्रवासियों द्वारा वहां के आदिवासियों पर किए गए अत्याचारों के लिए माफी मांगने के लिए गए हैं। पिछले 80-90 साल में आदिवासियों के लगभग डेढ़ लाख बच्चे लापता हो चुके हैं। इन बच्चों को उनके घर से जबरन उठाकर ईसाई स्कूल में भर्ती कर दिया जाता था।

उन पर हुए अत्याचारों की कहानी रौंगटे खड़े कर देती है। हजारों बच्चे भूख से तड़फ-तड़फ कर मर गए, हजारों के साथ बलात्कार हुए और हजारों की हत्या कर दी गई। उनके ईसाई स्कूल उनके गांवों से इतने दूर बनाए जाते थे कि उनके माँ-बाप उन तक नहीं पहुंच सकें। कनाडा सरकार ने जांच आयोग बिठाकर जो तथ्य उजागर किए हैं, उनसे पोप मर्माहत हुए और कनाडा जाकर उन आदिवासियों से माफी मांगने का संकल्प किया।

कनाडा सरकार ने उनके पुनरोद्धार के लिए 40 बिलियन डॉलर देने की घोषणा की है। अमेरिका और केनाडा के आदिवासियों को 'रेड इंडियन' और 'इंडियन' कहा जाता है लेकिन ज़रा देखिए कि उन देशों और भारत के आदिवासियों में कितना फर्क है।

-वेद प्रताप वैदिक-

आटे-दाल का भाव

पुराने जमाने की कहानी है जब पूरे देश में भ्रष्टाचार व्याप्त था। दो कॉलेज के मित्रों में इस बात को लेकर बहस हो रही थी कि क्या कोल्ड ड्रिंक के ऊपर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) है। तीसरे मित्र ने आकर उनकी शंका का समाधान कर दिया और प्रमाण भी प्रस्तुत कर दिया। उसने बताया कि इंस्पेक्टर के घर पर प्रत्येक रविवार को एक क्रेट कोल्ड्रिंक उतारा जाता है। अब ऐसे किसी विवाद की गुंजाइश नहीं है क्योंकि सभी वस्तुओं पर वस्तु और सेवा कर लागू है। पहले हमें आटा दाल का भाव का अर्थ समझ नहीं आता था परंतु जी एस टी ने इसे भी अच्छी तरह समझा दिया है। वैसे महंगाई और टैक्स के सपोर्टर हमें अच्छी-अच्छी बातें समझाते हैं जैसे टैक्स से ही हमें फ्री वैक्सीन मिल रही है , गरीबों को फ्री राशन दिया जा रहा है , इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम किया जा रहा है। कहा जाता है जो बहरा है वह गूंगा होगा ही। इसी तरह जो शासन का समर्थक है वह महंगाई और जी एस टी लगाने व बढ़ाने का भी समर्थक होगा ही। सबसे पहले वह किसका समर्थक बनता है और कैसे उसका विकास होता है यह शोध का विषय हो सकता है। जी एस टी का ठीकरा कॉउंसिल के ऊपर फोड़ा जा सकता है और फोड़ा भी जा रहा है।

अचानक एक समर्थक और एक विरोधी मिल गए। समर्थक-अब जी एस टी को युक्तिसंगत कर दिया गया है। बड़े प्राइवेट अस्पताल लूटते थे। अब प्रतिदिन ?5000 प्रतिदिन वाले कमरे पर जी एस टी लगा दिया गया है।

विरोधी- कम से कम बीमार को बख्श देते।

समर्थक- होटल के कमरे जिनका किराया ?1000 प्रतिदिन से कम है उन पर भी केवल पांच प्रतिशत जी एस टी लगाया गया है।

विरोधी- रिसोर्ट के मंहगे कमरों पर जी एस टी बढ़ाना चाहिए। पहले पराठा और अब आटा पर भी टैक्स। पता नहीं आगे क्या होगा ?

समर्थक- पैक्ड दूध ,दही, दाल, मक्खन, लस्सी ,आटा, फ्रोजन मीट आदि पर जी एस टी लगाने का अर्थ पता है।

विरोधी - आप तो परम ज्ञानी हैं। आप ही बताइए। समर्थक - शासन की मंशा पर सवाल नहीं करना चाहिए। उनकी मंशा है कि लोग छोटे दुकानदारों से खुले में यह सब वस्तुएं खरीदें और उनका व्यापार बढ़े या लोग दही ,मक्खन, लस्सी घर पर ही बनाएं।

विरोधी- धन्य हैं आप और आपके जैसे सपोर्टर। जिनके कार्यकाल में कारपोरेट की आय कई गुना बढ़ गई हो उनसे ऐसी प्रत्याशा केवल आप ही रख सकते हैं। सरकार को इसका क्रेडिट भी लेना चाहिए। फिर क्यों वे काउंसिल को जिम्मेदार बता रहे हैं।

समर्थक- आप तो नाराज हो गए। हीरे पर अभी भी केवल 1.5 प्रतिशत टैक्स है। आप खरीद लीजिए।

विरोधी- हंसकर , आपने हमें दाल आटा खरीदने लायक भी नहीं छोड़ा। आप लोग चाहते हैं कि लोग पढ़ना लिखना भी छोड़ दें। कटर, पेपर, पेंसिल शार्पनर,नाइफ और यहां तक कि स्याही पर भी 18त्न टैक्स लगा दिया गया है। समर्थक- आजकल कौन स्याही और पेन आदि का इस्तेमाल करता है। यह कदम आई टी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।

विरोधी-धन्य हैं आप और हम। दोनों गिले-शिकवे भूलकर हंसने लगते हैं।

-राजशेखर चौबे-

प्रेम क्या है

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर,बिहार

एक अधूरे पन को पूरा करने का मात्र एक अहसास... वो अहसास जो इंसान को खास महसूस करवाता है। जदोजहद भरी इस जिंदगी में इंसान सारी चीजों को पैसे की कीमत पर बड़ी आसानी से खरीद सकता है। जिसके लिए उसे संघर्ष करना है पैसे कमाने के लिए, परंतु टूट जाते हैं, रिश्ते, रिश्तेदार ,अपने साथी, बचपन की वो गलियां। इन सबका स्थान ले लेती हैं चिंताएं जिम्मेदारी कंपटीशन आगे बढ़ने की जद्दोजहद और इनमें टूटते हुए सभी रिश्ते में कहीं ना कहीं जिंदगी में प्यार का अधूरापन पैदा कर देती हैं।

प्यार एक ऐसा शब्द जो अपने आप में परिपूर्ण है। प्यार ना तो किसी रिश्ते के दरमियां खींची गई कोई लकीर है ,ना किसी रिश्ते में बांधा हुआ कोई अहसास। प्यार कभी भी कहीं भी और किसी से भी हो सकता है। इंसान का प्रकृति से प्रेम, प्रकृति का इंसान से प्रेम।

कभी भी किसी भी रिश्ते के बीच में अहसास पनप सकता है प्रेम में सबसे पहले मान सम्मान और समर्पण की भावना होती है। टूटे से टूटा व्यक्ति भी प्रेम के स्पर्श से खुद को वंचित नहीं रख सकता , जैसे प्यासी धरा पर वर्षा की चंद बूंदे नव अंकुर खिला देती हैं।ठीक उसी तरीके से मानव जीवन में प्रेम इंसान के भीतर जीने की इच्छा पैदा कर देता है। कुछ बेहतर करने की इच्छा को जन्म देता है।

प्रेम ना तो कभी भी वासना से लिप्त था और ना कभी होगा चंद दकियानूसी व गंदी सोच वाले लोगों ने इस शब्द के अर्थ को ही दाग दाग कर दिया है`। भाई से बहन का प्रेम, पिता से पुत्री का प्रेम ,दोस्त का दोस्त से प्रेम

,सखी का सखी से प्रेम, बिना प्रेम के इस धरती की संरचना का की कल्पना भी व्यर्थ है। प्रेम का एहसास वो एहसास है`। जो 12 महीने में सावन के आने की प्रतीक्षा करता है। इस समय प्रकृति इतनी खूबसूरत दिखती है, उसकी खूबसूरती को प्यार के अहसास से जोड़ा जाता है।प्रेम कभी किसी का अहित करने के लिए नहीं बना है। गुरु का शिष्य के प्रति प्रेम ,शिष्य का गुरु के प्रति प्रेम, प्रकृति का मनुष्य के प्रति प्रेम ,मनुष्य का प्रकृति के प्रति प्रेम, एक दूसरे की हिफाजत और मान सम्मान देने के लिए ही बना हुआ है एक दूसरे को मान सम्मान दे करके ही हम जिंदगी को सुचारू रूप से चला सकते हैं।

मानव तभी तक मानव है जब तक उसके भीतर एहसासों का ये गुलिस्ता खिलता रहेगा। जिस दिन इंसान के भीतर एहसास की जगह वासना और दुष्ट विचारों का जन्म हो जाता है। उस दिन वह इंसान मानव शरीर में छिपा हुआ दानव ही होता है।हमारे संस्कार हमारी संस्कृति हमें मान सम्मान और आदर करना सिखाती है। किसी का हनन करना नहीं किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं। हमें अपने आसपास की हर वस्तु को हिफाजत देनी चाहिए। अगर हम उसे हिफाजत नहीं दे सकते तो कम से कम हम किसी को नुकसान ना पहुंचाएं। शायद मानव होने का ये सबसे बड़ा धर्म है कि हम लोगों को सुरक्षा दे सके, और उन्हें सुरक्षित महसूस करा सकें। प्रेम की पहली प्रकाष्ठा यही है कि आप कभी किसी का अहित ना करें।

चंद शब्दों में लिख देना से आई लव यू ,या चंद शब्दों में कह देना आई लव यू। कोई प्रेम नहीं होता अगर आप सचमुच किसी से प्रेम करते हैं तो ,इसकी जगह आप सामने वाले को हिफाजत महसूस कराएं ,कि मेरे आस-पास आप पूरी तरह सुरक्षित हो। आप सहज और सरल भाव से अपना कार्य कर सकते हो, शायद इससे बड़ा प्रेम दूसरा कोई नहीं है जग में।

प्रेम का सही अर्थ सो इंसान शायद आजीवन भी ना समझ पाए परंतु इतना समझना शायद संभव है कि प्रेम कभी किसी का अहित नहीं करता। प्रेम में सदैव ही समर्पण और आदर छिपा होता है।सच्चा प्रेम मान सम्मान बढ़ाने का कार्य करता है। आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करता है घटाने का नहीं है।।

धरती ला गहना पहिराबो

जीवन चन्द्राकर लाल
गुंडरदेही,छत्तीसगढ़

का,हमन करजा चुका सकथन?
मयारू धरती दाई के।
तो चलो,ओला गहना में लादन,
घास,नार अउ रुख-राई के।
सोचो,अपन अंतस भीतरी ले,
दाई हा हमला,देवत हावै पानी,
तभे जगत के जीव जंतु हा,
पावत हे जिनगानी।
जनम लेन, अउ खेलन कूदेन,
महतारी कस मयारू कोरा मा।
ओकरेच दे जम्मो जिनिस ए,
पर भीड़ गेहन अपनेच जोरा मा।
किसम किसम के परदूसन ले,
देवत हन हम घाव ओला।
स्वारथ में होगेन हन अंधरा,
भरत हन अपनेच कोठी,झोला।
बड़े बड़े परबत अउ जंगल ला,
धीरे धीरे हम उजाड़ डरेन।
शहर बसाये के चक्कर मा,
नंदिया नरवा ला पाट डरेन।
पेड़ विहीन होवत जात हे,
धड़ाधड़ खेत अउ खलिहान हा,
अब धरती मा उपजत हावै,
चारों खूंट, बड़े बड़े मकान हा।
आखिर कब हम काम करबो,
धरती अउ जीव भलाई के।
चलो धरती ला गहना पहिराबो,
घास,नार,अउ रुख-राई के।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मेयर इन कौंसिल की बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर हुई चर्चा

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
नगर निगम के महापौर कक्ष में सोमवार को मेयर इन कौंसिल की बैठक महापौर डॉ. अजय तिर्की की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कुल 20 बिन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में निगम क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न चौक-चौराहों पर एलईडी स्क्रीन दर के पुन-निर्धारण के सबंध में पूर्व एमआईसी में भी मामला सामने आया था। जिसमें कहा गया था कि अंबिकापुर नगर निगम के अलावा इसके समकक्ष नगर निगम से रेट लेकर निविदा जारी किया जाए। जिसमें पता चला की कोरबा नगर निगम में सबसे कम 305 स्क्वार्य फीट प्लस जीएसटी के रेट से अंबिकापुर नगर निगम में निविदा जारी किया जाएगा। जबकि इससे पूर्व अधिक रेट होने के कारण कोई निविदा नहीं डाल रहे थे। वहीं निगम स्वामित्व के कलाकेन्द्र मैदान के आरक्षण हेतु नियम व शर्ते निर्धारिण के सबंध में विचार विमर्श एवं निर्णय लिया गया। इसमें पता चला की कला केन्द्र मैदान के उपयोग के लिए वर्ष 2028 के लिए भी आवेदन आ रहे हैं। जिबकि इसके लिए मात्र तीन महीने का ही मान्य है। वहीं कला केन्द्र अमानत राशि भी कम किया गया है। पूर्व में 50 प्रतिशत अमानत राशि निर्धारित था। जिसमें एमआईसी की बैठक में 25 से 30 प्रतिशत करने की सहमती बनी। पारंपरिक वस्तु निर्माण के लिए शासन द्वारा नगर निगम क्षेत्र में जगह उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। जिसे नगर निगम द्वारा 2 वर्ष के लिए डाटा सेंटर में उपलब्ध कराया गया है। वहीं बैडमिंटन हॉल सप्ताह में 7 दिन की जगह 6 दिन खालने की सहमति बनी है। एक दिन बैडमिटन हॉल की

रखरखाव व सफाई के लिए उपयोग किया जाएगा। जिसे गुरुवार को बंद रखाने का निर्णय एमआईसी बैठक में लिया गया। शहर के कई ऐसे कालोनी हैं जो निगम को अब तक नहीं सौंपा गया है। एमआईसी की बैठक में निर्णय लिया गया है कि कालोनियों को टेकओवर कर नगर निगम की सारी व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। जबकि कालोनी के लोग हर टैक्स पटाते हैं। वहीं जाति प्रमाण पत्र के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शासन के गाइडलाइन के अनुसार जिला प्रशासन को बनाना चाहिए। फाइल फेंकने उच्चित नहीं है।

बाजार से हो रही अवैध वूसली,नहीं सून रहा कोई

बैठक में एमआईसी सदस्य व बाजार प्रभारी मेराज रंगरेज काफी नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि मुझे प्रभार केवल नाम का दिया गया है। कोई सुनने वाला नहीं है। बाजार में ठेले वाले, गुमटी वालों से अवैध वसूली की जा रही है। इसकी जानकारी मांगने के बावजूद भी निगम के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नहीं दी जाती है। बाजार से कितनी वसूली हो रही है और कहां जमा हो रहा है इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे 3 साल से जिम्मेदारी मिली है लेकिन आज तक इसकी वसूली की जानकारी नहीं दी जाती है। केवल मैं प्रभार लेकर बैठा हूं। वहीं इन्होंने गुदारी बाजार की अव्यवस्था को लेकर भी नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि गुदरी बाजार में चलने लायक स्थिति नहीं है। सब्जी व्यवसायी सड़क तक पहुंच चुके हैं। शिकायत मिलने पर मैं जब बाजार प्रभारी को फोन करता हूं तो इसका भी कोई पहल नहीं किया जाता है। बाजार प्रभारी नजर अंदाज करते हैं। गुदरी बाजार में आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित होते रहती है। हर जगह ठेला व प्लास्टिक तान कर दुकान लगा कर बैठे रहते हैं। लोगों का आने जाने में काफी परेशानी होती है। वहीं इस समस्या को गंभीरता से देखते हुए महापौर ने मोहरीर को फोन लगाने की बात कही तो पता चला की मोहरीर का मोबाइल स्वीच ऑफ है। वहीं महापौर ने उडऩ्दस्ता प्रभारी को बाजार की व्यवस्था सुधारने की बात कही और कहा कि अगर व्यवस्था सुधारने में किसी तरह की परेशानी हो रही है तो फोर्स लेकर जाएं और व्यवस्था सुधारें। वहीं मॉल के सामने लग रही जाम को देखते हुए महापौर ने मॉल संचालक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

अणुव्रत कार्यक्रम की आवश्यकता पर बच्चों से पूछे गए प्रश्न

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
अणुव्रत कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में माँ सरस्वती के छाया चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ । तत्पश्चात अतिथि परिचय के साथ तिलक एवं बैच लगाकर बैठाया गया। अणुव्रत कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश संयोजिका ममोल कोचेटा डालती हुई बच्चो से प्रश्न पूछती रही। जैन श्वेताम्बर संघ के अध्यक्ष मनोज डागा, सचिव एवं अणुव्रत प्रचार प्रसार प्रभारी किशोर जी सुराना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान डागा एवं महावीर वार्ड के पार्षद एवं स्वतंत्रता सेनानी संघ के जिला अध्यक्ष हरमिंदर सिंह टिनी, देवीगंज रोड के पार्षद एवं स्वतंत्रता सेनानी संघ के उपाध्यक्ष मनीष सिंह,पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता पंकज गुप्ता ,जैन श्वेताम्बर महिला मंडल की सदस्य मीरा जैन,स्वीटी जैन ,शीला जैन,एवं बोझा स्कूल के संतोष भारती ,सरगुजा साइंस ग्रुप के अध्यक्ष अंचल ओझा के मुख्य आतिथ्य में अणुव्रत क्रिएटिविटी कार्यक्रम हुआ।

केंद्र द्वारा दिए विषय पर्यावरण पर निबंध ,चित्रकला,भाषण एवं गीत गायन हुए।ये सभी प्राथमिक ,माध्यमिक,उच्चतर माध्यमिक स्तर पर करना था । इस कार्य में लगभग 25 विद्यालय भाग लिए और लगभग 550 से ज्यादा बच्चे प्रतिभागी रहे। विद्यालय के प्राचार्य एक प्रभारी शिक्षक की सक्रियता भी थी। कल्पना का रंग,शब्दो में बांधा गया निबंध,कंठ से निकले गीत ,बुलंद आवाज के भाषण में जोश सब कुछ मन को छू लिया। चारो स्तर के प्रतिभागी बच्चो को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभागी विद्यालय के शिक्षक एवं बच्चो ने अपने अनुभव साझा किए तो गीत से सभीका मन मोह लिया। केदारपुर स्कूल से गीता ,शासकीय कन्या परिसर से विनोद जी,सरस्वती शिशु मंदिर देवीगंज रोड से सीमा दीदी,विनीता दीदी,सुभाष नगर शिशु मंदिर से अर्चना सरकार, बिश्रामपुर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से जैन सर ,लटोरी सहारा स्कूल से शिक्षक ,मणिपुर स्कूल , विद्या निकेतन से अजय सिंह ,बोझा स्कूल से संतोष भारती, संत हरकेवल स्कूल , विवेकानंद स्कूल से कविता सराठे जैसे विद्यालय के बच्चो ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका ममोल कोचेटा ने किया ।आभार प्रदर्शन ज्योत्सना पालोरकर द्वारा किया गया।कार्यक्रम में बिश्रामपुर से राजकुमार मालू, एवं गुल्लू,मालू, नीलू बाला जैन कविता सराठे एवं सुषमा जायसवाल भी सहयोगी रही। समापन वंदे मातरम से हुआ।

बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
हिंदुस्तान के प्रमुख समाज सुधारक,स्वतन्त्राता संग्राम के प्रथम लोकप्रिय नेता बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनो ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने लोकमान्य तिलक के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष हेमन्त सिन्हा,जिला उपाध्यक्ष मो इस्लाम,जगन्नाथ कुशवाहा,महामंत्री सैय्यद अख्तर हुसैन,प्रवक्ता आशीष वर्मा,एल्डरमैन इंद्रजीत सिंह धंजल,प्रभात रंजन सिन्हा,दिलीप धर,रजनीश सिंह,,बैजनाथ ठाकुर,शानू मुखर्जी, अविनाश ठाकुर,विकल झा,नीतीश चौरसिया,विकास केशरी,पंकज शुक्ला,शकीला परवीन,बैजनाथ ठाकुर,विकास शर्मा,रोशन कन्नौजिया सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सावन माह में भगवान शंकर पर कर रहे भक्त जलाभिषेक,भगवान की भक्ति में डूबे हुये भक्त

-उपेश सिन्हा-
कुसमी ,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
अभी का समय भगवान भोलेनाथ का पवित्र माह सावन का है,और सावन माह में शिवशक्ति की भक्ती का रस हर भक्त उठाना चाहता है,कुसमी क्षेत्र के कई लोग इस बार के सावन माह में हमारे देश के अलग अलग जगहों में विराजित भगवान शिव के पवित्र ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने भी जा रहे है और दर्शन कर भगवान को अपनी भक्ति दिखा रहे है, तो वही क्षेत्र में बने शिवालयों में भी सुबह सुबह ही भक्त मन्दिर में पहुँचकर भक्ति भाव से पुजा अर्चना करने में जुटे हुये है दूध जल बेलपत्र सहित भगवान पर कई तरह फल फुल अर्पित कर भगवान को खुश करने का काम भक्त कर रहे है, आज तीसरे सोमवार में भी भक्तगण जगह जगह के शिवालयों पर काफी संख्या में पहुँचकर भक्ति किये।

जेल प्रहरी के साथा मारपीट के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
जेल प्रहरी के साथ मारपीट के मामले में मणिपुर चौकी पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।
प्रार्थी जेल प्रहरी राजकुमार चौहान ने मणिपुर चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि जिला चिकित्सालय अंबिकापुर से बंधी सुरक्षा ड्यूटी कर वापिस केंद्रीय जेल खैरियत रिपोर्ट देने जा रहा था। दर्रीपारा जेल तालाब के पास चार व्यक्ति एक बच्चे के साथ मारपीट कर रहे थे। जिसे जेल प्रहरी द्वारा मारपीट करने से मना करने पर चारों आरोपियों ने जेल प्रहरी के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। घटना के समय जेल प्रहरी पुलिस वर्दी में था। इसके बावजूद भी आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था। मणिपुर चौकी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी अमन जयसवाल, अभय जायसवाल, पवन भुईया, आदित्य सिंह सभी निवासी अंबिकापुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक भारद्वाज सिंह, चौकी प्रभारी मणीपुर उपनिरीक्षक सरफराज फिरदौसी, सहायक उपनिरीक्षक परशु राम पैकरा, ललन गुप्ता, प्रधान आरक्षक विपिन तिवारी और पुलिस टीम शामिल रहे।
वहीं मेडिकल कॉलेज अस्पताल से दो नग मोबाइल चोरी के मामले में मणिपुर चौकी पुलिस ने आरोपी विकास सोनी उर्फ हेलन को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी अस्पताल से दो नग मोबाइल चोरी की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की मोबाइल भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

नाबालिक लड़की से दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-उपेश सिन्हा-
कुसमी ,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
सामरी पाठ थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की रहने वाली नाबालिक लड़की से दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है,गौरतलब है की थाना क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय नाबालिक लड़की अपने घर से परिजनों को बिना बताया 24 जुलाई को अपने घर से लापता हो गई थी परिजनों ने लड़की की खोजबीन किये लेकिन लड़की का कोई पता नही चल सका,फिर 30 जुलाई के दिन सामरी पाठ थाना आकर परिजनों ने लड़की के गुमसुदगी का मामला दर्ज कराया पुलिस ने धारा ने 363 का मामला दर्ज कर ,पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील नायक एवं प्रशांत कतलम ढोढ़ी जंगल की तरफ देखा गया पुलिस टीम सूचना पर जंगल की और गई और लड़की को बरामद कर परिजनों को 4,6 पॉस्को एक के तहत मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है कार्यवाही में थाना

एसडीओपी डी.के. सिंह को घटने की जानकारी दी गई ,फिर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया , और नाबालिक लडकी की तलाश शुरू की गई तो पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि पुटू सौप दिया गया,पुलिस विवेचना के दौरान पाया गया कि लड़की को शादी का झांसा देकर उदय लगेसिया नाम का आरोपी युवक ने बहला फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया जिसपर पुलिस ने धारा 376 एव प्रभारी फरदीनंद कुजूर,एएसआई आनंद तिर्की फिलियुस टोप्पो,प्रधान आरक्षक राजेन्द्र ध्रुव जेम्स लकड़ा महिला प्रधान आरक्षक अरुणा बसेन,आरक्षक राजू राम जनार्दन तिवारी विनोद मुख्य रूप से शामिल रहे।

घर से लैपटॉप चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
लैपटॉप चोरी करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 28 जुलाई को शिवधारी कालोनी से एक व्यक्ति अपने घर से दो लैपटॉप चोरी की थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चोरी के दोनों लैपटॉप भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार शहर के शिवधारी कालोनी निवासी वरूण पाठक के घर से 28 जुलाई को दो नग लैपटॉप अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। वह इसकी रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। गांधीनगर थाना प्रभारी कलीम खान के नेतृत्व में टीम गठित कर घटनास्थल व आस पास के लगभग 50 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज

चेक किया गया। सीसीटीवी में कैद हुलिया व मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पटपरिया निवासी संदेही शानू केडिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसके पास से चोरी की दो लैपटॉप भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में मुख्य रूप से उप निरीक्षक रश्मि सिंह, सउनि विनय सिंह, प्रधान आरक्षक राधा यादव, आरक्षक अतुल सिंह शामिल रहे।

शिक्षा गुणवत्ता में कोई भी लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त:कलेक्टर

सब इंजीनियर का वेतन रुका,एस.डी.ओ.व ई.ई.को नोटिस जिला व विकासखण्ड स्तर पर खुलेंगे कोचिंग संस्थान

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2022(घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने स्कूल में बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधा की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा गुणवत्ता में कहीं कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा में गुणवत्ता लाकर जिले में नए कीर्तिमान स्थापित करें। इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत स्कूलां में रनिंग वाटर की उपलब्धता का सत्यापन किये बगैर ही ठेकेदार को राशि भुगतान करने पर पी.एच.ई. के सब इंजीनियर का वेतन रोकने तथा कार्यपालन अभियन्ता व एस.डी.ओ. को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश देने के साथ ही तीन दिन में जवाब नहीं देने पर गंभीर अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी भी दिए।
कलेक्टर ने स्कूलों में रनिंग वाटर की समीक्षा करते हुए कहा कि अब तक 7 जनपद के 1958 स्कूलों में जल जीवन मिशन के तहत शुरू हुए रनिंग वाटर का कार्य 931 स्कूल में पूरा हुआ है। सभी स्कूलों में रनिंग वाटर, वॉश बेसिन व हैंडवाश या साबुन की व्यवस्था हो। उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाते हुए स्कूल में नल जल के माध्यम स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने मॉनिटरिंग करने तथा बीईओ व बीआरसी को स्कूल में रनिंग वाटर की उपलब्धता है कि नहीं इसका सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना फ़ोटो सहित सत्यापन के जल जीवन मिशन की राशि का भुगतान न हो। उन्होंने कहा कि आने वाले ग्रीष्म ऋतु तक सभी स्कूलों में

रनिंग वाटर के लिए नल लगा हो और पानी आना चाहिए। जिन स्कूलों के नल खराब ही गए है पी.एच.ई. विभाग उन्हें सुधारें।

जिला व विकासखण्ड स्तर पर शुरू होंगे कोचिंग संस्था

कलेक्टर ने शिक्षा में गुणवत्ता लाने व प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के लिए सभी विकासखंड मुख्यालयों व जिला मुख्यालय में एक-एक कोचिंग संस्थान शुरू करने के निर्देश दिए। विकासखण्ड मुख्यालयों में जवाहर नवोदय विद्यालय, प्रयास, सैनिक स्कूल आदि के प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। कोचिंग संस्थान के लिए भवन चिन्हांकित कर कोचिंग के लिए उपयुक्त शिक्षकों का चिन्हांकन बी.ई.ओ. द्वारा किया जाएगा। कोचिंग संस्था में 25 बालक व 25 बालिका को प्रवेश दिया जाएगा। इनमें से दूर से आने वाले बालिकाओं के लिए संस्था को आवासीय बनाया जाएगा। प्रवेश के लिए बच्चों का स्क्रीनिंग होगा। इसी प्रकार जिला मुख्यालय में भी कोचिंग संस्था भी संचालित की जाएगी जिसमें नीट, जेईई, क्लैट व सीजी पी.एस.सी. परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग दी जाएगी। इसमें 150-150 बालक-बालिका को प्रवेश दिया जाएगा। यह संस्था भी आवासीय होगी।

एकल शिक्षकीय स्कूलों के फिरेंगे दिन

कलेक्टर ने एकल शिक्षकीय शालाओं में एक-एक और शिक्षक की व्यवस्था के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए 15 दिन में व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पहले चरण में मैनपाट व सीतापुर तथा दूसरे चरण में लुण्ड्रा व बतौली विकासखण्ड के एकल शिक्षकीय स्कूलों में शिक्षक की व्यवस्था करें। बताया गया कि इन चारों विकासखंडों में करीब 150 एकल शिक्षकीय विद्यालय हैं। कलेक्टर ने होमवर्क पर जोर देते हुए कहा कि बच्चा घर मे होमवर्क या पढ़ाई कर रहा है या नहीं इसकी भी मॉनिटरिंग स्कूल के आस-पास रहने वाले शिक्षकों को करनी चाहिए। इसके अलावा माताओं को बच्चां के पढ़ाई से जोड़ने के लिए स्कूलों में माता-पिता बालक सम्मेलन का आयोजन किया जाए।
निजी स्कूलों की तर्ज पर पढ़ाई-कलेक्टर ने कहा कि अध्यापन में केवल कागजी खाना पूर्ति न करें बल्कि निजी स्कूलों की तरह एक योजनाबद्ध तरीके से अध्यापन हो। उन्होंने सभी बी.ई.ओ. को निर्देशित किया कि निजी स्कूल के प्राचार्यो से उनके स्कूल में शिक्षकीय कार्य के संबंध में जानकारी लेकर उसी तरह अपने स्कूल में भी शिक्षकीय कार्य शुरू करें। औसत निष्पादन वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाये। प्रशिक्षण का आयोजन विकासखण्ड स्तर पर करें। उन्होंने कहा कि डीईओ, बीईओ व बीआरसी सप्ताह में 50-50 स्कूलों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों की 15 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर ने निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत प्रवेश में पारदर्शिता, स्कूलां के परिवहन वाहनों का नियमानुसार संचालन हेतु मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।
इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ संजय गुहे, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी व जनपद सीईओ सहित प्राचार्यगण उपस्थित थे।

पर्यटकों को लुभाने के लिए बना झुमका आईलैंड,शाम होते ही आइलैंड पर छा जाता है अंधेरा

» क्या केवल मुख्यमंत्री को दिखाने के लिए प्रशासन ने झुमका आइलैंड में लगाया था लाइट, सीएम के जाते ही लाइट बंद?

» कोरिया में जो होता है वह बहुत ही अद्भुत होता है जो कहीं नहीं होता है, कुछ ऐसा ही उदाहरण है झुमका आईलैंड।

सीएम के कोरिया दौरे के दौरान सब कुछ अच्छा दिखाने के लिए प्रशासन ने किया प्रोपेगेंडा,सीएम के जाने के बाद धरातल पर सब कुछ अलग...

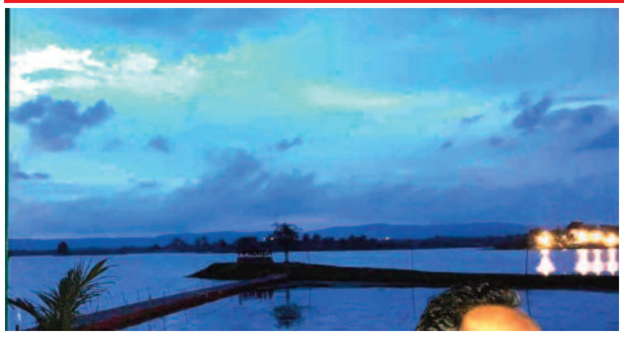

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को लेकर वर्तमान सरकार ने ज्यादा ध्यान दिया है यही वजह है कि पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए जमकर पैसे खर्च किए गए पर पैसे खर्च होने के बावजूद सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटक स्थल उस तरह काम नहीं कर पा रहे हैं जैसा उन्हें काम करना चाहिए कुछ ऐसा ही मामला कोरिया जिले के झुमका आईलैंड का है जहां लाखों रुपए खर्च कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है और सैलानियों को अपनी ओर खींचने के लिए जोर दिया जा रहा है सीएम के आगमन पर झुमका आईलैंड का उद्घाटन हुआ था पर उद्घाटन के समय ही आइलैंड सिर्फ लाइटों से जगमगा रहे थे सीएम के जाने के बाद झुमका आईलैंड अंधेरों में तब्दील हो गया है।

जैसा कि बताया जा रहा है कि आइलैंड पर शाम होते ही अंधेरा छा जाता है और आइलैंड पर पहुंचने वाले सैलानियों को आइलैंड पर आकर्षित करने जैसा कुछ नजर नहीं आता है वहीं बात मुख्यमंत्री के दौरे की हो तो आइलैंड पर जगमग करती अनगिनत लाइटों से जगमगा रहा था आइलैंड। कोरिया जिला अपने आप मे अजूबा जिला है यहां दिखावे के लिए ही मात्र कार्य संपादित किये जाते हैं यह साफ तौर पर नजर आता है यहां आम लोगों को लेकर योजनाएं एवम विकास कार्य नहीं होते बल्कि काम केवल मुख्यमंत्री या मंत्रियों के आगमन मात्र तक के लिए संपादित किये जाते हैं इसका जीता जागता उदाहरण है झुमका आइलैंड।

झुमका उतना सफल पर्यटन स्थल नहीं बन पा रहा है वजह है सिर्फ लापरवाही

झुमका आइलैंड को कोरिया जिला प्रशासन पर्यटन के रूप में विकसित कर रहा है या यह कहें पर्यटन के नाम पर यहाँ बहोत ज्यादा खर्च किया जा चुका है और अभी भी खर्च करना जारी है लेकिन झुमका आइलैंड अपने मूल उद्देश्य पर्यटकों को आकर्षित कर पाने में उतना सफल नहीं हो पा रहा है जितना होना चाहिए। अब शाम को ही लाइटों के बंद हो जाने का मामला हो या बोट बीच बांध में सैलानियों के साथ होते हुए बंद हो जाने का मामला हो हर मामले में झुमका उतना सफल पर्यटन स्थल नहीं बन पा रहा है।

झुमका का विकास पूर्व कलेक्टर ऋतु सेन ने करना आरंभ किया था

झुमका आइलैंड का वैसे तो विकास पूर्व कलेक्टर ऋतु सेन ने करना आरंभ किया था और समय समय पर हर आने वाले कलेक्टर ने झुमका आइलैंड को लेकर कोई न कोई विकास कार्य अपने कार्यकाल में जरूर किया लेकिन फिर भी आइलैंड अभी तक पूर्ण विकसित हो सका है इसका जवाब भी किसी के पास नहीं है,क्या वर्तमान कलेक्टर के जाने के बाद भी विकास कार्य ऐसे ही जारी रहेगा या इन्हीं के कार्यकाल में झुमका आइलैंड पूर्ण विकसित हो जाएगा यह बड़ा सवाल है या फिर अभी की ही तरह जब जब बड़े नेता आएंगे खर्च कर विकास कार्य किया जाएगा और उनके जाते ही अंधेरा कायम हो जाएगा।

प्रकाशन के बाद जागा प्रशासन,शुरू हुआ मवेशी को सड़क से हटाने का काम

-ओंमकार पाण्डेय-

सूरजपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। ज्ञात हो कि पिछले दिनों घटती घटना ने इस आशय की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया है। नगर के प्रमुख मार्गो एवं चौक-चौराहों में विचरण करती आवारा मवेशियों, बेतरतीब आटो की आवाजाही तथा सड़क किनारे लगने वाले फल व सब्जी व्यवसायियों के कारण बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर जिले के पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने नगरपालिका अध्यक्ष के. के. अग्रवाल के मौजूदगी में नगरपालिका के समस्त जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों की बैठक ली। जनप्रतिनिधियों के सुझाव पर यातायात को व्यवस्थित करने हेतु सार्थक पहल करने का निर्णय लिया गया। नगरीय जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि नगरीय जनप्रतिनिधि और पुलिस प्रशासन एक सिक्का पर दो पहलू हैं। मिलकर सारी व्यवस्थाओं को सुदृण करने की जरूरत है। जिन स्थानों पर सब्जी व फल विक्रेताओं के कारण यातायात बाधित होता है उन स्थानों को नो-वेण्डर जोन और जिन स्थानों पर ऑटो चालकों द्वारा बेतरतीब ऑटो खड़ी की जाती है। उन स्थानों को नो-पार्किंग जोन घोषित करते हुए सूचना बोर्ड लगाने की जरूरत है। बाजार परिसर में सभी सब्जी विक्रेताओं को भेजने और टैक्सी व ऑटो के लिए स्थल निधारण करने की दिशा में पहल करनी होगी। उन्होंने शहर को सुन्दर और सुगम बनाने के लिए समस्त जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की। पुलिस आमजनता के हित एवं उनकी सुरक्षा को लेकर दृढ़ संकलित है।

नगरपालिका प्रेसीडेन्ट कक्ष में आयोजित बैठक में अध्यक्ष श्री के.के. अग्रवाल ने कहा कि नगरपालिका को निकाय क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने की पूरी चिन्ता है और पुलिस, प्रशासन एवं नगरीय जनप्रतिनिधि आपस में समन्वय बनाकर बेहतर से बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होनें सड़कों पर स्वछन्द विचरण कर रहे आवारा मवेशियों के कारण बिगड़ रही यातायात व्यवस्था और हो रही दुर्घटनाओं के लिए पूरी तरह से मवेशी मालिकों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि मवेशियो को गौशाला भेजने और मवेशी मालिकों की पहचान कर उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

इस दौरान सीएमओ बसंत बुनकर, एसडीओपी सूरजपुर गीता वाघवानी, डीएसपी रामश्रृंगार यादव, टीआई प्रकाश राठौर, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, उपयंत्री बसंत जायसवाल के अलावा विधायक प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवेश गोयल, एल्डरमेन राहुल अग्रवाल, पार्षद संजय डोसी, बिरेन्द्र बंसल, रामसिंह, जियाजुल हक, कुसुमलता राजवाड़े, अजय सिंह, पुष्पलता गिरधारी साहू, गैबीनाथ साहू, तनवीर राधामूनी सिंह, संतोष सोनी, मंजू गोयल, पुष्पलता पवन साहू, सुरेन्द्र देवांगन, संजू आनंद सोनी, अजय सोनवानी, एल्डरमेन देवदत्त साहू, मधुसूदन साहू, त्रिलोक मेहरा, मोहम्मद इदरीश व अन्य उपस्थित रहे।

मवेशी मालिकों पर होगी कार्यवाही और मवेशियों को भेजा जाएगा गौशाला

जिला मुख्यालय सूरजपुर के प्रमुख सड़कों पर इन दिनों आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगरीय प्रशासन इन मवेशियों को लेकर हमेशा परेशान रहते हैं। पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू और नगपालिका अध्यक्ष श्री के.के. अग्रवाल ने इस समस्या से निजात पाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं प्रारंभिक चरण में पशुपालन विभाग, पुलिस प्रशासन और नगरपालिका की टीम साथ मिलकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए मवेशियों को गौशाला भेजा जाएगा और वहां पर मवेशी मालिको की पहचान कर इनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगने से चमका कुटीर उद्योग,माहुल पत्ता बना विकल्प

-नगर संवाददाता-

कोरबा,01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। देश भर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगने के बाद वन से पत्ता लाकर दोना पत्तल बनाने वाली महिलाओं का व्यवसाय फिर से पटरी पर लौटने लगा है। फनेरा वहली,जिसे स्थानीय भाषा में माहुल पत्ता कहते हैं, यह सिंगल यूज प्लास्टिक का विकल्प बनकर सामने आया है। छुरीकला की महिला समूह ,माहुल पत्ता से दोना पत्तल तैयार कर आत्मनिर्भरता की राह पर चल पड़ीं हैं। केंद्र सरकार ने एक जुलाई से देश भर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसके बाद सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के लिए जूट कागज, कपड़ा, बांस आदि को विकल्प के रूप में उपयोग किया जा रहा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के छुरीकला की प्रेरणा महिला स्व-सहायता समूह करीब पांच साल पहले से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम करते हुए माहुल पत्ता को प्लास्टिक के विकल्प के रूप में तलाश लिया था। समूह की महिलाएं इससे दोना पत्तल का निर्माण तब से कर रहीं हैं। 50 रुपये में 60 प्लास्टिक प्लेट मिलती है, इसलिए दोना पत्तल चलन से बाहर हो गया था। अब प्लास्टिक के उपयोग पर रोक है तो, इसकी मांग फिर बढ़ने लगी है। हालांकि माहुल पत्ता से बनी प्लेट 50 रुपये में 30 ही मिल पाएगी। महिलाएं एक वर्ष में चार से पांच लाख दोना पत्तल बना लेतीं हैं।

एक पत्ते की सिलाई में एक रुपये खर्च आता है। रियायती दर पर पत्ता आपूर्ति करने में कटघोरा वनमंडल सहयोग करता है। वन विभाग ने महिला समूह को प्रेशर मशीन व अन्य सहयोग भी दिया है। महिलाओं का कहना है कि प्रशासन यदि सभी तरह के सरकारी कार्यक्रमों में दोना पत्तल के उपयोग को अनिवार्य कर दे तो प्लास्टिक के उपयोग में निश्चित कमी आएगी। माहुल पत्ता से बने सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने अब जिले के अन्य स्व-सहायता महिला समूहों को भी इसके लिए प्रशिक्षित कर कुटीर उद्योग से जोड़ने की तैयारी प्रशासन कर रही। प्रथम चरण में पाली, मोरगा व लेमरू में इकाई लगाकर क्षेत्र की महिलाओं को जोड़ा जाएगा। छुरीकला की महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष दुर्गा देवांगन ने बताया कि आम तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में पलाश और साल पेड़ के पत्तों से दोना व पत्तल बिना मशीन के उपयोग के तैयार किया जाता है। इन पत्तों से व्यवसायिक स्तर पर दोना पत्तल तैयार करना मुश्किल है। माहुल का आकार बड़ा होता है। दो पत्तों को एक साथ सिलाई मशीन से सिलकर प्रेशर मशीन में डालकर पत्तल तैयार करते हैं। माहुल पत्ता लेमरू, राहा, सपलवा, केंदई व बाड़ी उमराव के जंगल में पर्याप्त है। अन्य पत्तों के मुकाबले यह बड़ा होने के साथ हल्का व मजबूत है। कटघोरा वन परिक्षेत्राधिकारी एसके मिश्रा का कहना है कि, प्रेरणा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वन विकास समिति की ओर से सिलाई व प्रेशर मशीन निश्शुल्क उपलब्ध कराया गया है। 11 महिलाएं दोना व पत्तल बनाने का काम कर रहीं हैं। प्रत्येक महिलाओं को प्रतिमाह पांच हजार से अधिक आमदनी हो रही हैं। घर खर्च से लेकर बच्चों की पढ़ाई का खर्च अब महिलाएं खुद उठा रहीं। माहुल पत्ता जैविक अपक्षय होता है, इसलिए पर्यावरण के अनुकूल तो है ही, औषधीय गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।

नशीली दवाओं की अवैध बिक्री में लिप्त एमआर को किया गया गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

कोरबा,01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। नशीली दवाओं की अवैध रुप से बिक्री करने के मामले में मानिकपुर पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार। आरोपी का नाम राधे दास है,जो मानिकपुर डिपरापारा का निवासी है। पुलिस ने बताया,कि मुखबीर के माध्यम से उन्हें आरोपी द्वारा मानिकपुर की तरफ से नशीली दवा लेकर मुड़ापार की तरफ आने की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने खुद को एमआर बताया , जिसके पास से नशे की कुल 1440 टैबलेट बरामद किया गया है। आरोपी पिछले दो सालों से मानिकपुर स्थित किराए के मकान में रह रहा था इससे पहले वह कुसमुंडा में रहता था। नशीली दवाओं की अवैध रुप से बिक्री करने के मामले में आरोपी पहले भी पुलिस की पकड़ में आ चुका है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ पुलिस द्वारा जरुरी कार्रवाई की जा रही है।

लगातार 6 घँटे अंधेरे की आगोश में डूबा रामानुजगंज

जब ट्रांसफार्मर में घुसा साँप

-पृथ्वीलाल केशरी-

रामानुजगंज 01अगस्त2022 (घटती घटना)। 30 जुलाई दिन शनिवार को रात्रि लगभग 10:00 बजे के आसपास तेज पानी एवं चमक के कारण अचानक बिजली बंद हो गई। जिसके कारण लगातार 06 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीयो ने बड़ी मशक्कत के बाद रात्रि 3:30 बजे के लगभग विद्युत आपूर्ति बहाल कर पाए तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। शनिवार की रात अचानक बिजली पानी होने के कारण नगर की विद्युत आपूर्ति बंद हो गई पानी शांत होने के बाद विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने नगर में फाल्ट ढूंढने निकले जिनको लगभग 6 घंटे का समय लग गया इसके बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी तब जाकर नगर वासियों ने राहत की सांस ली। वही दसरे दिन रविवार से लगातार ट्रिपिंग आने लगा विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने फाल्ट ढूंढते ढूंढते परेशान हो गए फिर भी उन्हें सफलता नहीं मिली और ट्रिपिंग का सिलसिला जारी रहा। जब उन्होंने सोमवार को नगर में लगे सभी ट्रांसफॉर्मर को चेक करना शुरू किया तो वार्ड नंबर 5 के ट्रांसफार्मर में एक मृतसांप मिला जिसके कारण लगातार ट्रिपिंग हो रही थी। ट्रांसफार्मर से मृत साँप को बाहर निकालने के बाद बार-बार ट्रिपिंग होने से जहां लोगों को राहत मिली वही विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने चैन की साँसे ली।

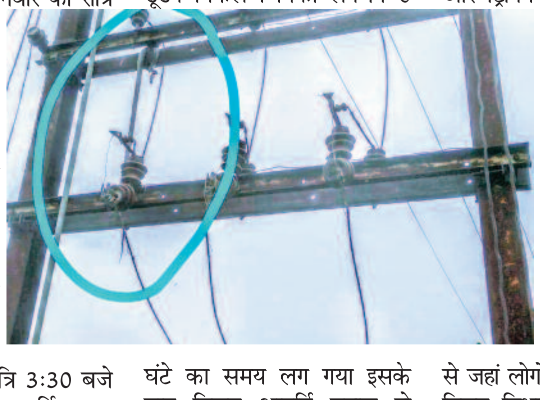

साहब! जर्जर आंगनवाड़ी भवन में कैसे पढ़ेंगे बच्चे ?

आंगनबाड़ी भवन जर्जर कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, क्या प्रशासन हादसे का कर रहा इंतजार ?

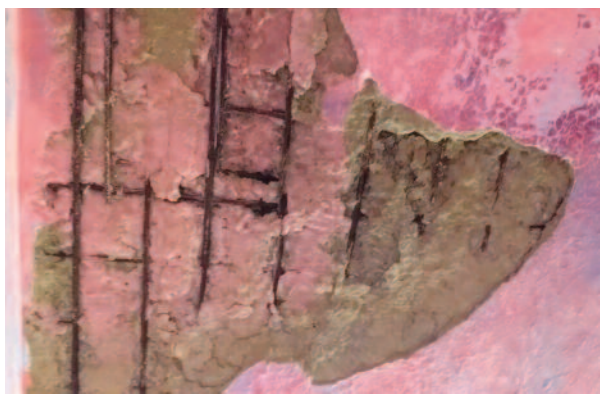

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। शासन द्वारा बनाए भवन इतने कम समय में जर्जर हो जाते हैं जिससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण में सिर्फ भ्रष्टाचार ही हुआ होगा, सरकारी भवन जितने भी बने हैं सबकी मियाद काफी कम सालों में ही पूरी होती दिख रही है, सवाल यह है कि आखिर निर्माण के समय संबंधित विभाग गुणवत्ता पर क्यों ध्यान नहीं देता, जिसका खामियाजा कुछ साल बाद ही दिखने लगता है कुछ ऐसी ही स्थिति आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र डांड़पारा का है जो भवन अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है और इसकी छाते ऊपर से गिरने लगी है, आंगनबाड़ी के जर्जर भवन के नीचे बच्चे कैसे पढ़ेंगे यह तो प्रशासन ही जाने पर हादसा कभी भी हो सकता है इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? यह भी एक सोचने वाली बात है आखिर कब तक प्रशासन ऐसे भवनों की मॉनिटरिंग करेगा ताकि हादसे से पहले उसकी सुध ले ली जाए?

तस्वीर आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र डांड़पारा ग्राम पंचायत पिपरा आंजो खुर्द की है। भवन की स्थिति इतनी जर्जर है, कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जिसकी जद में आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता, सहायिका और छोटे छोटे बच्चे आ सकते हैं। कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यानाकर्षण करने के बाद भी भवन की सुध लेने वाला कोई नहीं है। विडंबना यह है कि यह स्थिति आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की है। सूत्रों के अनुसार यह भवन छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पूर्व मध्यप्रदेश शासन के कार्यकाल से निर्मित है। वैसे तो शासकीय भवनों के निर्माण के तौर तरीके और उन में उपयोग किए जाने वाले घटिया सामग्री एवं कमीशन खोरी की व्यथा से कोई अनजान नहीं है, परंतु यह भी एक आश्चर्य का विषय है कि यह आंगनबाड़ी भवन इतने सालों तक अपने अस्तित्व को लेकर टिका रहा। वर्तमान में भवन की दीवारें एवं छत इतनी जर्जर हो चुकी है कि उसमें उपयोग किए गए लोहे के छड़ पूरी तरह दिखाई दे रहे हैं। कांक्रीट मैटेरियल शनै शनै गिरता जा रहा है। जो किसी बड़े हादसे को न्योता देते नजर आ रहा है। यदि समय रहते विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान नहीं देंगे तो कभी भी या भवन भयावह दुर्घटना का कारण बन सकती है।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को शिव भक्तों ने खास सयोंग में की पूजा अर्चना

-नगर संवाददाता-

रामानुजगंज 01अगस्त2022 (घटती घटना)। सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। इसके अलावा इस माह के सोमवार शिव जी की पूजा और जलाभिषेक के लिए उत्तम माने जाते हैं। इस साल सावन माह में चार सोमवार पड़ रहे हैं, जिसमे दो सोमवार बीत चुके हैं। पहला सोमवार 18 जुलाई व दूसरा सोमवार 25 जुलाई को था। हिंदू पंचांग के अनुसार,तीसरे सोमवार पर खास संयोग के दिन ही विनायक चतुर्थी के अलावा और कई योग में शिव भक्तों ने कन्हर नदी के तट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं प्राचीन राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों में शिवलिंग पर गंगाजल,दूध और पंचामृत से जलाभिषेक करते हुए भगवान शिव को प्रिय सामग्रियों का चढ़ावा चढ़ाते हुए उन्हें कई प्रकार के उत्तम मिष्ठान के भोग लगाते हुए भगवान शिव और माता पार्वती की आरती की गई भक्तों ने आरती पश्चात ॐ नमः शिवाय एवं हर हर महादेव के जम के नारे लगाए।

न स्कूल,न घर,न ठिकाना,सड़कों पर भीख मांगकर बर्वाद होता'बचपन'

लेकिन जिम्मेदार विभाग पूरी तरह मौन हैं,अंगद के पांव के जैसे जमे पड़े हैं बाल संरक्षण अधिकारी

-ओंमकार पाण्डेय-

सूरजपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय में इन दिनों छोटे बच्चे भिक्षाटन करते नजर आ रहे हैं। वहीं होटलों व अन्य प्रतिष्ठानों में भी बाल श्रमिकों को काम करते देखा जा सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग पूरी तरह मौन हैं।किसी प्रकार की जांच व कार्रवाई नहीं की जाती। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में कॉपी-किताब होने चाहिए, उस उम्र में वे भिक्षाटन कर रहे हैं। जिला मुख्यालय हो या अन्य बड़े मैदानी जनपद, यहां कई बच्चे मुख्य चौक चौराहों पर पर खड़ी, कार, ऑटो और टेम्पो में सवार लोगों से भिक्षाटन करते दिख जाते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल उठता है कि आखिर इनकी क्या मजबूरी है, जो इन्हें खेलने-कूदने के दिनों में भिक्षा मांगनी पड़ रही है। सूरजपुर जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में इन बच्चों के अलावा कई औरतें भी बच्चों को गोद में लेकर भीख मांगती दिखती हैं और इनकी संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। सूरजपुर जिला मुख्यालय बाजार मंडी सहित अन्य जगह प्रेम नगर, रामानुजनगर रोड, भैयाथान सहित जिले के दूरस्थ अंचल में चौक, तहसील चौक, बस स्टैंड सहित न्यायालय के आसपास बाल भिक्षाटन का नजारा देखने को मिलता है। जहां छोटे.छोटे बच्चे हाथ में कटोरा लिए गाड़ियों के आगे और दोपहिया वाहन चालकों से भिक्षाटन करते दिख जाते हैं। बच्चों को भिक्षावृत्ति से रोकने के लिए बाल संरक्षण इकाई द्वारा अभियान चलाया जाता है, परंतु इस पर लगाम नहीं लग पा रही है।

बाइडन के लिए गले की हड्डी बन गई है नैंसी पेलोसी की एशिया यात्रा

वाशिंगटन, 01 अगस्त 2022। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने अपनी एशिया यात्रा के कार्यक्रम में ताइवान का जिक्र नहीं किया। इसके बावजूद ये कयास जारी हैं कि पेलोसी गुपचुप ताइवान जा सकती हैं। पेलोसी ने पिछले हफ्ते एलान किया था कि एशिया यात्रा के दौरान वे ताइवान भी जाएंगी। इसको लेकर अमेरिका और चीन के बीच टकराव काफी बढ़ गया। उसे संभालने की कोशिश में पिछले गुरुवार को राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर सवा दो घंटे बातचीत की थी।

समझा जाता है कि बाइडन प्रशासन के आग्रह पर ही पेलोसी ने अपनी एशिया यात्रा का कार्यक्रम जारी करते समय उसमें ताइवान का उल्लेख नहीं किया। लेकिन अब इसको लेकर विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी ने बाइडन प्रशासन पर निशाना साध लिया है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिकी विदेश मंत्री रहे माइकल पोम्पियो ने कहा है कि पेलोसी के ताइवान न जाने से अमेरिका के सहयोगी देशों को बहुत खराब संदेश जाएगा।

रविवार को जारी अपने बयान में नैंसी पेलोसी ने बताया कि अपनी यात्रा के दौरान वे सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान जाएंगी। पेलोसी के साथ हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के कई सदस्य भी हैं, जिनमें सदन की समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल हैं।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने पेलोसी के ताइवान जाने के इरादे पर सार्वजनिक रूप से असहमति जताई थी। बताया जाता है कि अमेरिकी सेना के बड़े अधिकारियों ने भी सलाह दी थी कि पेलोसी का ताइवान जाना सही कदम नहीं होगा। माइकल पोम्पियो ने इसी खबर पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- 'शी जिनपिंग से फोन पर बातचीत के बाद बाइडन प्रशासन चीनी प्रचार से डर गया।' उन्होंने कहा- इससे सचमुच उस क्षेत्र में हमारे मित्र देशों- ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और जापान को बहुत खराब संदेश जाएगा।

चीन ने चेतावनी दी है कि अगर पेलोसी ताइवान गईं, तो वह किसी भी हद तक जा सकता है। चीन के सरकार समर्थक अखबार ग्लोबल टाइम्स ने एक रिपोर्ट में यहां तक कहा कि चीनी सेना के विमान पेलोसी के विमान को आसमान में ही घेर कर उसे चीन की मुख्य भूमि पर उतार सकते हैं या फिर उसे हवा में खदेड़ सकते हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक बाइडेन प्रशासन इस बात से वाकिफ है कि अमेरिका ने बार-बार अपनी वन चाइना पॉलिसी दोहराई है। इसका मतलब चीन की इस राय को स्वीकार करना है कि ताइवान उसका हिस्सा है। इसके साथ ही अमेरिका यह भी कहता रहा है कि वह जबरन ताइवान की मौजूदा स्थिति को बदलने की चीन की कोशिश को स्वीकार नहीं करेगा। लेकिन अभी अमेरिकी मीडिया में ये चर्चा तेज है कि अगर पेलोसी ताइवान गईं, तो इस मौके का फायदा उठा कर चीन जबरन इस द्वीप को अपने में मिला लेने की तरफ बढ़ सकता है।

विश्लेषकों के मुताबिक ताइवान जाने के पेलोसी के एलान से बाइडन प्रशासन के लिए बड़ी दुविधा पैदा हुई है। अब अगर वे बिना ताइवान गए, एशिया यात्रा से लौट आईं, तो इसे चीन की धमकियों की जीत माना जाएगा। इसका पूरा फायदा रिपब्लिकन पार्टी उठाएगी। जबकि अगर पेलोसी वहां गईं, तो युद्ध छिड़ने का वास्तविक खतरा है, जिसे बाइडन प्रशासन टालना चाहता है।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे बोले,गोतबाया राजपक्षे के श्रीलंका लौटने का अभी सही वक्त नहीं

कोलंबो , 01 अगस्त 2022। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के श्रीलंका लौटने का यह सही समय नहीं है क्योंकि यहां उनकी मौजूदगी से देश में राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। विक्रमसिंघे को 20 जुलाई को संसदीय वोट के माध्यम से राष्ट्रपति चुना गया था। इससे ठीक पहले तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे मालदीव और फिर सिंगापुर भाग गए थे। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति भवन पर धावा बोलने के बाद राजपक्षे को भागने पर मजबूर होना पड़ा था।

पूर्व राष्ट्रपति की वापसी से स्थिति बिगड़ सकती है

छह बार के पूर्व प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे, जिन्हें गोटाबाया के राजपक्षे परिवार के खिलाफ एक जन विद्रोह के बाद देश छोड़कर भाग जाने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था।उन्होंने रविवार को वॉल स्ट्रीट जर्नल के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि मौजूदा स्थिति में पूर्व राष्ट्रपति की वापसी से स्थिति बिगड़ सकती है। मौजूदा आर्थिक संकट के लिए प्रदर्शनकारी शक्तिशाली राजपक्षे परिवार को दोषी ठहरा रहे हैं और देश में राजनीतिक तनाव व्याप्त है।

श्रीलंका के कैबिनेट प्रवक्ता बंडुला गुणवर्धने ने हाल ही में कहा था कि 73 वर्षीय राजपक्षे छिपे नहीं हैं और उनके जल्द ही लौटने की उम्मीद है। प्रशासन के हस्तांतरण के मुद्दों और अन्य सरकारी कार्यों से निपटने के लिए राजपक्षे के संपर्क में रहे विक्रमसिंघे ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने जल्द ही श्रीलंका लौटने की योजना के बारे में संकेत नहीं दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज की आस

73 वर्षीय विक्रमसिंघे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह उनके लौटने का समय है। नए राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीलंका ने अपने आर्थिक संकट का सबसे खराब दौर देखा है और राजनीतिक स्थिरता बहाल होने से हालात कुछ सुधरेंगे इसकी शुरुआत हाल ही में हुई उथल-पुथल के कारण रुकी हुई अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से कर्ज के लिए बातचीत को अंतिम रूप देने से होगी।

विक्रमसिंघे ने कहा, मुझे लगता है कि हम पहले ही नीचे पहुंच चुके हैं। मैं सुरंग के अंत में प्रकाश देख सकता हूं। हम इसे इसे तेजी से प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने स्वीकार किया कि श्रीलंकाई लोग विदेशी मुद्रा की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। इससे मुद्रास्फीति और भोजन, ईंधन, रसोई गैस और दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी कतारें लग रही हैं और उनकी आर्थिक परिस्थितियों में सुधार दिखने में महीनों लगेंगे।

मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह आज से भारत दौरे पर

मालदीव ,01 अगस्त 2022। मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह सोमवार से गुरुवार तक भारत के दौरे पर रहेंगे। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक श्री सोलिह आज दोपहर 14.50 बजे पालम वायुसेना के हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे , जहां से वह होटल आईटीसी मौर्या के लिए रवाना होंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर यहां शाम सात बजे उनसे मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि श्री सोलिह के साथ एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी होगा। अपनी यात्रा के दौरान वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात करेंगे।

उन्होंने बताया कि एमओयू और संयुक्त प्रेस बयानों के आदान-प्रदान के बाद मंगलवार को हैदराबाद हाउस में सुबह 11.30 बजे श्री सोलिह और श्री मोदी के बीच बैठक होगी। इसी दिन शाम साढ़े चार बजे उनका राष्ट्रपति से मिलने का कार्यक्रम है।

पीटीआई नेता का आरोप,पूर्व पीएम शाहिद खाकान अब्बासी को भारतीय कंपनी से मिली थी 14 करोड़ रिश्वत

लाहौर, 01 अगस्त 2022। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ विपक्षी नेता ने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी को एक भारतीय कंपनी से रिश्वत मिली थी, जब वह पांच साल पहले प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के मंत्रिमंडल में संघीय पेट्रोलियम मंत्री के रूप में कार्यरत थे। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता शाहबाज गिल ने आरोप लगाया कि अब्बासी ने एक भारतीय फर्म से 14 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

इमरान के करीबी ने भारतीय कंपनी से 14 करोड़ रुपये लेने का लगाया आरोप

गिल के मुताबिक, खाकान अब्बासी ने 2017 में संघीय पेट्रोलियम मंत्री के रूप में सेवा करते समय टेलीग्राफिक ट्रांसफर के माध्यम से एक भारतीय कंपनी से 14 करोड़ रुपये हासिल किए थे। पाकिस्तान ऑब्जर्वर अखबार ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया कि उनके पास अब्बासी को किए गए सभी लेनदेन की रसीदें थीं, जो अब सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं।

डॉन की रिपोर्ट में गिल के हवाले से कहा गया है कि अब्बासी के बैंक खाते में तीन लेन-देन के जरिए एक दिसंबर 2016 और दो जनवरी 2017 को राशि जमा की गई थी। इस दौरान वह नवाज शरीफ के कैबिनेट में पेट्रोलियम मंत्री थे। अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के चीफ ऑफ स्टाफ गिल ने भारतीय कंपनी के नाम का खुलासा नहीं किया।

अब्बासी बोले, कीचड़ उछालने की बजाय ठोस सबूत लेकर आए पीटीआई

अपने ऊपर लगे आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 63 वर्षीय अब्बासी ने कहा कि उन पर कीचड़ उछालने के बजाय पूर्व सत्ताधारी दल को ठोस सबूतों के साथ उनके खिलाफ याचिका दायर करनी चाहिए। अगस्त 2017 से मई 2018 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे अब्बासी ने कहा कि पीटीआई और उसकी चरित्र-हत्या ब्रिगेड चार साल तक सत्ता में रही, लेकिन उन्हें उनके खिलाफ कुछ भी ठोस नहीं मिला।

शंघाई सहयोग संगठन का डायलॉग पार्टनर बनने पर नेपाल में उम्मीद और अंदेशा भी

काठमांडो, 01 अगस्त 2022। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने नेपाल को डायलॉग पार्टनर का दर्जा दिया है। इसे नेपाल की बढ़ रही अंतरराष्ट्रीय पहचान का संकेत माना जा रहा है। लेकिन कई नेपाली राजनयिकों का मानना है कि नए समूह से संबंध मजबूत करते हुए अब कूटनीतिक दायरे में नेपाल को अधिक सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

बीते हफ्ते उज्बेकिस्तान के समरकंद में हुई एससीओ की विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान नेपाल को डायलॉग पार्टनर का दर्जा देने का फैसला हुआ। आबादी, भूगोल और अर्थव्यवस्था के लिहाज से एससीओ संयुक्त राष्ट्र और निर्गुट आंदोलन के बाद दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है। नेपाल ने 2016 में एससीओ से जुड़ने के लिए सहमति पत्र पर दस्तखत किए थे। उस समय कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री थे। अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान उन्होंने संबंधित सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

नेपाली राजनयिकों का कहना है कि किसी क्षेत्रीय संगठन में पर्यवेक्षक या डायलॉग पार्टनर देश की ज्यादा भूमिका नहीं होती। इसके बावजूद अगर नेपाल चाहे तो वह इस नए मौके का पूरा लाभ उठा सकता है। लेकिन इसके लिए गंभीरता से होमवर्क करना होगा। इन राजनयिकों ने ध्यान दिलाया है कि एससीओ से सैन्य और सुरक्षा संबंधी पहलू भी जुड़े हैं, इसलिए नेपाल को सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

नेपाल ने जिस सहमति पत्र पर दस्तखत किए हैं, उसमें व्यापार, पारगमन, निवेश, ऊर्जा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के अलावा सुरक्षा के क्षेत्र में भी एससीओ से सहयोग बनाने का प्रावधान है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- एससीओ राजनीति, सैनिक और सुरक्षा संबंधी मामलों में भी बात करने का मंच है। लेकिन नेपाल को आर्थिक क्षेत्र में लाभ मिल सकता है, क्योंकि भारत और चीन दोनों इस संगठन के सदस्य हैं।

बांग्लादेश में बिगड़ते आर्थिक हालत के बीच कॉमर्शियल बैंकों की हो गई है चांदी

ढाका , 01 अगस्त 2022। जिस समय बांग्लादेश घटते विदेशी मुद्रा भंडार और विनिमय दर में डॉलर के मुकाबले कमजोर होती अपनी मुद्रा (टका) के संकट से जूझ रहा है, देश के कुछ बैंकों ने खूब मुनाफा कूटा है। डॉलर की महंगाई उनके लिए वरदान बन कर आई। जानकारों के मुताबिक इन बैंकों का रुख भी टका के कमजोर होने की एक वजह रहा है, जिससे देश में मुद्रास्फीति दर बढ़ी है।

साल की पहली छमाही (जनवरी से जून) में विदेशी विनिमय संबंधी कारोबार में बैंकों का मुनाफा 400 फीसदी तक बढ़ा। जबकि शेयर बाजार और ब्याज जैसे स्रोतों से उनकी आमदनी घटी। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंकों के इस मुनाफे का नतीजा देश में तेजी से महंगाई बढ़ने के रूप में सामने आया है। बैंक आयातकों से ऊंचा शुल्क वसूल रहे हैं, जिसका असर देसी बाजार में चीजों के महंगा होने के रूप में सामने आया है।

बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड में छपी एक खास रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी विनिमय कारोबार में ऊंचा मुनाफा होने के कारण कई बैंक जनवरी से जून की अवधि में फायदे में नजर आए। इस रिपोर्ट के मुताबिक विनिमय कारोबार में ब्राक बैंक ने 425 फीसदी का मुनाफा दर्ज किया। इससे जनवरी से जून तक बैंक की आमदनी 93 करोड़ टका तक पहुंच गई। जबकि पिछले साल इसी अवधि में बैंक की आमदनी सिर्फ 17 करोड़ टका रही थी। इसी तरह डच-बांग्ला बैंक की विनिमय कारोबार से आमदनी 400 फीसदी बढ़ी।

विशेषज्ञों के मुताबिक डॉलर का भाव बढ़ने से बैंकों के मुनाफे में इजाफा हुआ है। इसके बावजूद ज्यादातर बैंकों के कुल मुनाफे में उतनी बढ़ोतरी नहीं दिखी है, क्योंकि सरकार ने ब्याज दर पर सीमा लगा रखी है। साथ ही शेयर बाजारों में गिरावट का असर बैंकों के शेयर भाव पर भी पड़ा है। इसके बावजूद विनिमय कारोबार को जिस तरह बैंकों ने मुनाफा कमाने का जरिया बना लिया है, उसकी देश में कड़ी आलोचना हो रही है।

बांग्लादेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जसीमुद्दीन ने दावा किया है कि बैंक हर डॉलर की बिक्री पर दस टका का मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने कहा- 'बैंकों को कारोबार करने का लाइसेंस दिया गया है। ये लाइसेंस उन्हें हर डॉलर पर ऊंचा मुनाफा कमाने के लिए नहीं दिया गया है।'

बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक- बांग्लादेश बैंक के गवर्नर अब्दुर रऊफ तालुकदार ने भी कॉमर्शियल बैंकों के इस नजरिए की आलोचना की है। उन्होंने कहा है- 'हम इस बात को स्वीकार नहीं कर सकते कि बैंक सेंट्रल बैंक से 94 टका में एक डॉलर खरीद कर उसे 105 से 110 टका पर दूसरों को बेचें।' तालुकदार ने दावा किया कि डॉलर कारोबार में बढ़े मुनाफे को देकते हुए अब कई शेयर कारोबारी भी डॉलर खरीद-बिक्री के धंधे में उतर आए हैं। लेकिन कॉमर्शियल बैंकों के अधिकारियों खंडन किया है कि वे किसी अनुचित काम में शामिल हैं। ब्राक बैंक के प्रबंध निदेशक सलीम आर एफ हुसैन ने कहा- अगर हम मुनाफाखोरी में शामिल होते, तो यह अवश्य ही बांग्लादेश बैंक की नजर में आया होता। उन्होंने कहा कि जब मुद्रा बाजार अस्थिर हो, तो बैंकों को ज्यादा मुनाफा होना सामान्य बात है।

अमेरिका मंदी का शिकार हुआ है या नहीं, इस सवाल पर टिकी हैं दुनिया भर की निगाहें

लंदन , 01 अगस्त 2022। अमेरिका में आर्थिक मंदी की चर्चा विश्व बाजार के जानकारों के लिए रहस्य का विषय बनी हुई है। अमेरिका में लगातार दो तिमाहियों में अर्थव्यवस्था सिकुड़ने की पुष्टि हो चुकी है। आम तौर पर ऐसी स्थिति में किसी भी देश के मंदी में चले जाने की घोषणा कर दी जाती है। लेकिन जो बाइडन प्रशासन का दावा है कि अमेरिका में तमाम दूसरे आर्थिक संकेत सकारात्मक हैं। वहां रोजगार जाने, उद्योगों को भारी वित्तीय नुकसान होने या बड़ी संख्या में फैक्टरियों के बंद होने की कोई खबर नहीं हैं। पिछले हफ्ते जारी आंकड़ों से सामने आया कि अप्रैल से जून के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 0.9 फीसदी गिरावट आई। उसके पहले जनवरी से मार्च तक अर्थव्यवस्था 1.6 फीसदी सिकुड़ी थी। इसके बावजूद अमेरिकी सेंट्रल बैंक- फेडरल रिजर्व के प्रमुख जिरोम पॉवेल ने कहा- 'मेरी राय में अमेरिका में अभी मंदी नहीं है। अर्थव्यवस्था के कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां प्रदर्शन काफी अच्छा है।'

लेकिन कई अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि फेडरल रिजर्व के ब्याज दर बढ़ाने की नीति पर आगे बढ़ने का परिणाम मंदी के रूप में ही सामने आएगा। ब्याज दर बढ़ने से महंगाई काबू में आ सकती है, लेकिन निवेश घटने से रोजगार के अवसर घटेंगे और उपभोक्ताओं को अपना हाथ समेटना पड़ेगा। इससे बाजार में मांग घट जाएगी। इन अर्थशास्त्रियों ने ध्यान दिलाया है कि अभी भी बाजार में उपलब्ध सामग्रियों की उम्मीद के मुताबिक बिक्री नहीं हो पा रही है।

सीबीआईजेड इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी सर्विसेज में मुख्य निवेश अधिकारी अना रेथबन ने अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन से कहा कि 2021 की आर्थिक तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में उछाल आया था।

डाक मतपत्रों के साथ वोटिंग प्रक्रिया शुरू, ऋषि सुनक ने टैक्स योजना रखी सामने

लंदन , 01 अगस्त 2022। ब्रिटेन में नए कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के लिए मतदान प्रक्रिया औपचारिक रूप से सोमवार से टोरी सदस्यों को डाक मतपत्रों भेजने के साथ शुरू हो गई। ऋषि सुनक ने पीएम पद के लिए चुने जाने पर कुछ वर्षों में आयकर की मूल दर में 20 प्रतिशत की कटौती करने की कसम खाई। जनमत सर्वेक्षणों और सट्टेबाजों की नजर में अपनी प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस से पीछे चल रहे 42 वर्षीय पूर्व चांसलर सुनक ने कहा कि उनके बड़े फैसले का मतलब 30 वर्षों में आयकर में सबसे बड़ी 20 प्रतिशत की कटौती होगा।

चुनाव प्रचार में कर कटौती प्रमुख मुद्दा बन गया है और जहां ट्रस ने पहले दिन से कटौती करने का वादा किया है, वहीं सुनक ने बढ़ती मुद्रास्फीति को रोकने के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने की बात की है। सुनक ने कहा कि आज मैं जो कुछ लोगों के सामने रख रहा हूं, वह (पूर्व टोरी प्रधानमंत्री) मार्गरेट थैचर की सरकार के बाद से सबसे बड़ी आयकर कटौती देने की योजना है। यह एक सख्त नजरिया है, लेकिन यह एक यथार्थवादी भी है और कुछ मूल सिद्धांत हैं जिनसे मैं समझौता करने के लिए तैयार नहीं हूं, चाहे इसके बदले मुझे कुछ भी मिले।

चूंकि आगे क्या है, इस बारे में लोगों के साथ बात किए बिना इस उम्मीदवारी को जीतना न केवल बेईमानी होगी, यह खुद को नुकसान पहुंचाने दैसा काम होगा जो हमारी पार्टी को अगले आम चुनाव में हरा सकता है और हमें लंबे समय तक विपक्ष में रख सकता है। उनकी अभियान टीम ने कहा कि अगर 5 सितंबर को टोरी नेता और ब्रिटिश प्रधानमंत्री तौर पर सुनक चुने जाते हैं, तो मुद्रास्फीति से निपटना होगा बड़ी चुनौती होगा। उनके पास उत्पादकता में सुधार के लिए नियंत्रण में उधार लेने और आपूर्ति पक्ष सुधार को लागू करने की सही योजना है। एक बार मुद्रास्फीति को मात देने के बाद सुनक का टैक्स विजन मेहनती परिवारों की जेब में पैसा वापस करने के लिए काम को पुप्राथमिकता देना होगा।

यूएन की शांति सेना ने की दो लोगों की हत्या, महासचिव गुटेरेस हुए नाराज, बोले- सख्त कार्रवाई होगी

न्यूयॉर्क , 01 अगस्त 2022। अफ्रीकी देश युगांडा और कांगो की सीमा पर संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना के द्वारा रविवार को दो लोगों की हत्या के बाद से बवाल मचा हुआ है। प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसा शर्मनाक है। आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने छुट्टी से घर लौटते समय इस घटना को अंजाम दिया। यूएन के उप प्रवक्ता फरहान हक ने एक वक्तव्य जारी करके कहा है महासचिव इस घटना में हताहत हुए लोगों के लिये बहुत दुखी और हताश हैं।

एंटोनियो गुटेरेस ने प्रभावित परिवारों, देश के लोगों और कांगो की सरकार के साथ अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

गोली चलाने का कारण का अभी पता नहीं- बिन्तोऊ केईटा

संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिनिधि और कांगो में यूएन स्थिरता मिशन (स्व्हहस्थ्ह) के मुखिया बिन्तोऊ केईटा का कहना है कि शांति सैनिकों ने, सीमा चौकी पर किस परिस्थिति में गोलियां चलाईं, अभी उनके बारे में ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि इस गम्भीर घटना से दुनिया में गलत संदेश गया है। बिन्तोऊ केईटा ने कहा कि हम इस घटना की घोर निंदा करते हैं और जान गंवाने वाले मृतकों के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

घटना के बाद शांति सैनिकों के खिलाफ गुस्सा

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया था और इसमें दिखाया गया था कि संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों ने एक बैरिकेड खोलने से पहले दो लोगों पर गोलियां चलाईं। वहीं कांगो की सरकार ने इस घटना की निंदा की और कहा कि उसने मोनुस्को के साथ जांच शुरू कर दी है। सरकार ने एक बयान में कहा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कड़ी निंदा करता है।

क्या कोरिया जिले के एक पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक पर हो सकती है कार्यवाही ?

» शिकायतकर्ता की शिकायत पर छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग मंत्रालय ने पुलिस महानिदेशक को लिखा पत्र।

» प्रधान आरक्षक की शिकायत हुई थी गृह सचिव से जिस पर विभाग ने कार्यवाही कर अवगत कराने का पुलिस महानिदेशक को लिखा पत्र।

» प्रधान आरक्षक के विरुद्ध कार्यवाही कर जांच प्रतिवेदन देने का किया निर्देश जारी।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

जिले के एक शिकायतकर्ता के द्वारा जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु छत्तीसगढ़ शासन गृह पुलिस विभाग मंत्रालय को पत्र लिखा गया था, जिस पर छत्तीसगढ़ शासन गृह पुलिस विभाग मंत्रालय ने पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ शासन अटल नगर रायपुर को शिकायतकर्ता के शिकायत पर कार्यवाही करने के लिए पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर जांच प्रतिवेदन से अवगत कराने के लिए निर्देशित किया है, जिसे देखकर ऐसा लगता है कि इस बार प्रधान आरक्षक पर कार्रवाई होना निश्चित है।

जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के एक शिकायतकर्ता ने प्रमुख सचिव (गृह) पुलिस विभाग को शिकायत करते हुए कोरिया जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक बैच क्रमांक 98 नवीन दत्त तिवारी के विरुद्ध 10 बिंदुओं पर शिकायत की थी और उनके द्वारा प्रधान आरक्षक पर गंभीर आरोप लगाए गए थे जिस पर गृह विभाग ने पुलिस महानिदेशक को कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है शिकायतकर्ता ने आरोप लगाते हुए शिकायत की थी कि प्रधान आरक्षक बैच क्रमांक 98 नवीन दत्त तिवारी वर्तमान पदस्थापना रक्षित केन्द्र बैकुन्ठपुर में नियुक्ति आदेश दिनांक से आज दिनांक (कई वर्षो) तक कोरिया जिले के चुनिन्दा थानों पटना, चरचा, खड़गवां, सोनहत में ही पदस्थ रहें है, जिसका कारण आधिकारिक मिली भगत है और आपसी सांठ-गांठ से इन क्षेत्र के मादक पदार्थो के कारोबारियों, कोयले के अवैध कारोबारीयों, कबाड़ चोरों से सांठ-गांठ कर ये काली कमाई अर्जित करते है,कोरिया जिला में पदस्थापना के दौरान वेतन के अलावा आय से अधिक` संपत्ति अर्जित करने के कारण इनके द्वारा बैकुन्ठपुर एवं छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों में स्वयं के नाम से और अपनी पत्नी के नाम अकुत बेनामी संपत्ति इनके द्वारा खरीदा गया है, जो कि जांच का विषय है। आलीशान मकान के अलावा घर में साजो सज्जा के कीमती सामान जैसे एलईडी,एसी, सीसीटीवी कैमरा, मारूती ब्रेजा कार तथा रॉयल इन्फिलेड बुलेट मोटर साइकिल, सोने चांदी की सोने चांदी की कीमती ज्वेलरी` इत्यादि अन्य सामान आय से अधिक संपत्ति के तहत मौजूद है। शासकीय पद पर आसीन होने के उपरांत इनके द्वारा इनके वेतन से कई गुना आय से अधिक संपत्ति अवैध तरीके से अर्जित किया गया है, जबकि पुलिस विभाग मे बिना विभागीय अनुमति के जमीन, मकान, वाहन, क्रय नहीं किया जा सकता, शासकीय पद पर कोरिया जिला में पदासीन होने से अधिकारिक मिलीभगत से कोयला तस्करी, कबाड़ तस्कर व अवैध नशीले दवा कारोबारियों से अच्छी सांठ-गांठ होने से इन कारोबारियों से अच्छी मोटी रकम प्राप्त कर स्वयं एवं उच्चाधिकारियों के लिए` लाभ अर्जित किया गया है।

प्रधान आरक्षक नवीन दत्त की वजह से पूरा पुलिस विभाग बदनाम

यह शिकायत में बताया गया था, जिससे कोई शिकायत प्राप्त होने पर भी उच्च अधिकारियों द्वारा उचित कार्यवाही नहीं किया जा सका है, कोरिया जिले की पुलिस मनमाना रवैया अख्तियार कर चुकी है, कुछ अधिकारी व पुलिसकर्मियों की वजह से पुलिस विभाग में उथल-पुथल की स्थिति निर्मित हो चुकी है, आम जनों की बेहतरी की बजाय, कानून व्यवस्था लागू करने की बजाय कोरिया जिले की पुलिस अवैध कारोबारियों के इशारों पर चल रही है, जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक नवीन दत्त तिवारी की वजह से पूरा पुलिस विभाग बदनाम हो चुका है, प्रधान आरक्षक प्रधान अधिकारियों को भी अपने वश में कर रखें हैं इसी के इशारों पर अधिकारी चलते हैं और इसी की मर्जी से जिले में स्थानांतरण भी होता है, एक प्रधान आरक्षक की वजह से जिले के बाकी पुलिसकर्मी भी परेशान हैं, बाकी पुलिसकर्मियों की शिकायत कर यह अधिकारियों के खास बनकर पुलिस व्यवस्था को चौपट करने में लगे हुए हैं और बुद्धिजीवी अधिकारी भी ना जाने इनकी बातों में आकर क्यों अपनी ही किरकिरी करा रहे हैं। प्रधान आरक्षक के खिलाफ काफी शिकायतें हैं, इसके बावजूद कार्यवाही कोई नहीं करता, उक्त प्रधान आरक्षक वर्तमान में` रक्षित केंद्र में पदस्थ होने के बावजूद अधिकारी के मौखिक आदेश पर साइबर विभाग में काम कर रहें हैं प्रधान आरक्षक के इशारे पर पुरा एक थाना (थाना पटना) चलता है। इनके बिना पूछे पटना के थाना प्रभारी कुछ नहीं करते। कोरिया पुलिस के कुछ उच्चाधिकारियों के लिए जिले के कुछ पुलिस कर्मचारी यथा वर्तमान मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी, पटना थाना प्रभारी और उक्त वर्णित प्रधान आरक्षक इतने खास हैं कि शिकायतें होते रहेगी पर इन पर कार्यवाही नहीं होगी।

पुलिसकर्मियों का निकाला जाए सीडीआर निकाली जाए अवैध कारोबारियों से संपर्क

यदि इस समय पुलिसकर्मियों की सीडीआर निकाली जाए तो पुलिसकर्मियों के अवैध कारोबारियों से संपर्क मिल जाएंगे। प्रधान आरक्षक की छवि जिले में कितनी खराब है यह किसी से छिपी नहीं है और उसी प्रधान आरक्षक पर अधिकारी मेहरबान हैं। प्रधान आरक्षक के विरुद्ध यदि पता करवाया जाए तो कई शिकायतें ऐसी हैं जिसमें अभी तक जांच चल रही है जिसमें इनके ऊपर भूमाफियाओं को सहयोग सहित, जुआ सट्टा खिलवाने वालों तक के संदर्भ में शिकायत दर्ज है।

प्रधान आरक्षक झूठे मामलों में फंसाने से भी नहीं चूकते

शिकायतकर्ता के शिकायत के आनुसार प्रधान आरक्षक का पक्ष-विपक्ष के नेताओं से भी करीबी संबंध है और जिनके कारण भी उनके ऊपर कार्यवाही नहीं कि जाती क्योंकि उन्ही नेताओं के घर पर कुछ पुलिस अधिकारियों अस्थाई निवास है। उक्त प्रधान आरक्षक के विरुद्ध शिकायतों का अंबार है परंतु कार्यवाही शुन्य है। यदि किसी ने हिम्मत कर प्रधान आरक्षक की शिकायत उच्चाधिकारियों तक की तो अपने रसूख, पहुंच और काली कमाई का इस्तेमाल कर प्रधान आरक्षक झूठे मामलों में फंसाने से भी नहीं चूकते। समस्त शिकायतों के मद्देनजर गृह विभाग ने जांच के लिए पत्र पुलिस महानिदेशक को भेज दिया है अब इसबार क्या सही तरीके से जांच होगी और प्रधान आरक्षक पर कार्यवाही होगी यह देखने वाली बात होगी क्योंकि प्रधान आरक्षक का संपर्क बड़े अधिकारियों से है और वह ऊंची पकड़ की वजह से बचते चले आ रहें हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता पंजीयन को आसान बनाने प्रपत्रों का सरलीकरण

» विभिन्न संभारतशोधनों में शामिल मतदाताओं के प्रमाणीकरण के उद्देश्य से आधार संकलन की प्रक्रिया शुरू।

» मतदाताओं द्वारा आधार संख्या दिया जाना स्वैच्छिक, खास होंगे अब मतदाता फोटो परिचय पत्र।

» मतदाताओं के पंजीकरण हेतु 01 जनवरी की जगह 04 अर्हता तिथियां निर्धारित।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया 1 अगस्त 2022 से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता पंजीयन को सरल बनाने के उद्देश्य से प्रपत्रों को सरल व सुविधाजनक बनाकर शुभारंभ किया जा रहा है। आज से ही मतदाताओं के प्रमाणीकरण के उद्देश्य से आधार संकलन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। आयोग द्वारा किये गये विभिन्न संशोधनों के विषयक आज स्वान कक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक आहुत की गयी जिसमें जिले के प्रमुख राजनीतिक दलों ने सदस्य शामिल रहे। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा निर्वाचन विधि एवं नियमों में संशोधन किये गये है। इसके साथ ही आयोग द्वारा वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2023 हेतु भी विस्तृत कार्यक्रम एवं निर्देश जारी किये गये हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता फोटो पहचान पत्र (एपिक कार्ड) को नये सुरक्षा मानकों के साथ जारी करने का निर्देश दिए गए हैं, जो 01 अगस्त 2022 से पोस्ट के माध्यम से मतदाताओं को उनके दिए गए पते पर मिलेगा।

नवीन संशोधन में पंजीकृत मतदाताओं के आधार संकलन हेतु प्रावधान

नवीन संशोधन में पंजीकृत मतदाताओं के आधार संकलन हेतु प्रावधान जोड़ा गया है। मतदाता सूची में प्रविष्टियों को प्रमाणित करने और त्रुटिरहित बनाने के लिए पंजीकृत शत-प्रतिशत मतदाताओं से संपर्क कर आधार संख्या आयोग के संभावित लक्ष्य दिनांक 01 अप्रैल 2023 के पूर्व एकत्रित की जानी है। इस हेतु नवीन फार्म 6-ख अधिसूचित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य मतदाताओं की पहचान स्थापित करना और एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में एक ही व्यक्ति के नाम के पंजीकरण अथवा एक से अधिक बार उसी निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकरण की पहचान करना है ताकि भविष्य में मतदाताओं को बेहतर चुनावी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।

मतदाताओं द्वारा आधार संख्या दिया जाना स्वैच्छिक

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आधार एकत्रीकरण का कार्य 01 अगस्त 2022 से ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यम से प्रारम्भ किया जायेगा। मतदाताओं द्वारा आधार संख्या दिया जाना स्वैच्छिक है, आधार संख्या उपलब्ध नही कराने पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किसी भी परिस्थिति में मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टि को नही हटाया जाएगा। फॉर्म 6-ख में मतदाताओं के आधार प्राप्त करने के लिए जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर माह सितम्बर से प्रत्येक माह एक दिन विशेष शिविर आयोजित किए जाएगे।

पूर्व पंजीकृत मतदाता स्वयं भी कर सकते हैं आधार पंजीयन

पूर्व पंजीकृत मतदाता स्वयं ऑनलाइन अथवा बीएलओ के माध्यम से फॉर्म - 6 भरकर अपना आधार पंजीयन करा सकता है, नवीन पंजीयन हेतु आवेदन में ही आधार की जानकारी साझा करने का प्रावधान किया गया है।

नागरिकों के मतदाता सूची में पंजीकरण हेतु निर्धारित प्रपत्रों में संशोधन

मतदाताओं के पंजीकरण के लिए भरे जाने वाले प्रपत्रों को सुविधा जनक बनाया गया है। निर्वाचक पंजीकरण (संशोधन) नियम - 2022 के तहत् प्रपत्र 1, 2, 2क, 3, 6, 7, 8, 11, 11क, 18 एवं 19 में संशोधन किये गये है।

- प्रपत्र 001 में प्रतिस्थापना मतदाता फोटो परिचय पत्र (एपिक) जारी करनें के लिए आवेदन को समाप्त कर प्रपत्र-8 में इसका प्रावधान किया गया है।

- एक ही विधानसभा क्षेत्र के भीतर निवास स्थानांतरण के मामलों के लिए प्रपत्र-8क को समाप्त कर, प्रपत्र-8 में ही इसके लिए प्रावधान किया गया है। आधार संकलन हेतु नया प्रपत्र - 6ख जोड़ा गया है।

- संशोधित प्रपत्र - 6 अब केवल नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए कर दिया गया है तथा इसमें एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरण के लिए आवेदन के प्रावधान को हटा कर संशोधित प्रपत्र-8 में शामिल किया गया है।

- अनाथ व्यक्ति के प्रकरणों में कानूनी अभिभावक का विवरण अब रिश्तेदारों के विवरण के अंतर्गत दिये जा सकने का संशोधन भी इस प्रपत्र में किया गया है। जन्म और निवास के प्रमाण के लिए दस्तावेज निर्धारित किए गये है ताकि प्रपत्रों का त्वरित निराकरण हो सके। प्रवासी मतदाता के पंजीकरण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित फॉर्म 6क में कोई संशोधन नही किया गया है।

- प्रपत्र - 7 में मतदाता सूची में नाम हटाने के लिए मृत्यु प्रमाण-पत्र संलग्न करने का प्रावधान किया गया है।

- आयोग के नवीनतम निर्देशों के अनुसार संशोधित फॉर्म - 8 में मतदाता के निवास स्थानांतरण, वर्तमान निर्वाचक नामावलियों की प्रविष्टियों में सुधार, प्रतिस्थापन एपिक एवं मतदाताओं का दिव्यांगजन के रूप में चिन्हांकन का प्रावधान किया गया है।

- प्राप्त आपत्तियों व सुधार करनें के लिए प्राप्त आवेदनो को सूचीबद्ध करने के लिये मौजूदा फॉर्म-11 तथा 11क के साथ ही एक नया फॉर्म-11ख प्रस्तावित किया गया है, जिसमें फॉर्म-8 में प्राप्त एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरण कराने के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची तैयार की जायेगी। इसी प्रकार से फॉर्म-7, 11, 11क और 11ख को छोड़कर शेष सभी मतदाता प्रपत्रों में मतदाताओं के आधार विवरण प्राप्त करनें का प्रावधान किया गया है।

आयोग द्वारा संशोधन उपरांत मतदाताओं के पंजीकरण हेतु 01 जनवरी की जगह 04 अहर्ता तिथियां निर्धारित

नए संशोधन के उपरांत अब निर्वाचक में नाम जुड़वाने के लिए अहर्ता तिथि 01 जनवरी के स्थान पर प्रत्येक वर्ष में चार बार 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई तथा 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है।निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के द्वारा प्रपत्र-5 में प्ररूप प्रकाशक की सूचना जारी कर प्रत्येक वर्ष की 4 अहर्ता तिथियों के संदर्भ में दावा-आपत्ति आमांत्रित की जावेगी एवं ऐसे आवेदक, व्यक्ति, नागरिक जो 01 जनवरी के साथ-साथ इसके पश्चात् की अहर्ता तिथियों अर्थात 01 अप्रैल, 01 जुलाई, 01 अक्टूबर के संदर्भ में पंजीकरण के लिए भी पात्र हो रहे हैं, वे भी अपने आवेदन प्ररूप-6 में अग्रिम रूप से जमा कर सकेंगे। ऐसे आवेदक प्रारंभिक प्रकाशन की तिथि यानी 09 नवंबर 2022 से 08 दिसंबर 2022 तक अपना आवेदन कर सकेंगे। निर्वाचक रजिट्रीकरण अधिकारी द्वारा केवल 1 जनवरी 2023 की अर्हता तिथि से संबंधित दावा-आपत्ति का निराकरण किया जाकर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2023 को किया जावेगा। 01 जनवरी के पश्चात् की अहर्ता तिथियों के संबंध में प्राप्त होने वाले आवेदन डिजीटाईज करके रखे जावेंगे तथा इनका निराकरण निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा संबंधित अहर्ता तिथि के माह में किया जावेगा। अग्रिम आवेदन न कर सकने वाले युवा नागरिक मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पश्चात भी संबंधित तिमाही में सतत् अद्यतनीकरण के दौरान आवेदन कर सकेंगे।

जेंडर न्यूट्रल का प्रावधान करते हुए पत्नी शब्द के लिए 'पति या पत्नी' प्रतिस्थापित

आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 में संशोधन कर मतदान केन्द्रों, मतगणना के लिए, मतपत्र भण्डारण, मतदान सामग्री, सुरक्षा बलों और मतदाता कर्मिओं के आवास हेतु परिसर की आवश्यकता को देखते हुए इनके अधिग्रहण का प्रावधान तथा सेवा एवं विशेष निर्वाचकों हेतु जेंडर न्यूट्रल का प्रावधान करते हुए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम - 1961 में संशोधन कर 'पत्नी' शब्द के लिए 'पति या पत्नी' प्रतिस्थापित किया गया है। संशोधित सभी प्रपत्र एवं नियम दिनांक 01 अगस्त 2022 से प्रभावशील हो चुके हैं। 01 अगस्त 2022 से ई.आर.ओ. नेट और इससे जुडी आईटी एप्लीकेशन नेशनल वोटर्स सर्विस पोर्टल (एन.व्ही.एस.पी. पोर्टल), वोटर हेल्पलाईन एप एवं गरूड़ एप में नये आवेदन प्रपत्र और प्रक्रिया उपलब्ध होगी। अंतिम प्रकाशन के पश्चात् भी बाद की आर्हता तिथि में पात्रता रखने वाले व्यक्तियों के द्वारा आवेदन किया जा सकेगा। अर्हता तिथि 01.01.2023 के पश्चात् की आर्हता तिथियों (01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर) के संबंध में निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण के दौरान एवं उसके पश्चात् प्राप्त सभी आवेदनों का निरांकरण संबंधित तिमाही के प्रथम माह को निर्धारित प्रक्रिया द्वारा निराकृत किया जाएगा। पुनरीक्षण में इस बार आयोग द्वारा किये गये संशोधन अनुसार नये प्रपत्रों में आवेदन प्राप्त किये जावेंगे। एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरण हेतु आवेदन प्ररूप-6 के स्थान पर प्रपत्र-8 में प्राप्त किए जावेंगे एवं इसी दौरान पंजीकृत मतदाताओं से आधार संख्या संकलन प्ररूप-6ख में किया जावेगा।

इस तरह से खास होंगे अब मतदाता फोटो परिचय पत्र

वर्तमान में एपिक कार्ड प्रिंटिंग का कार्य सी.एस.सी. के माध्यम से कराया जा रहा था। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा नये सिक्यूरिटी फीचर्स के साथ एपिक कार्ड बनाने हेतु निर्देशित किया गया है।

नये सिक्यूरिटी फीचर्स

क्यु आर कोड, माईक्रो टेक्स्ट, गुइल्लोये पैटर्न, होलोग्राम, घोस्ट इमेज भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एपिक कार्ड केवल डाक विभाग के माध्यम से मतदाता को उपलब्ध कराना है जिसके लिए कार्यालय ने डाक विभाग के साथ एमओयू का निष्पादन किया है।एपिक कार्ड के साथ वेलकम लेटर, वोटर गाईड, वोटर प्लेज एवं एनवलप भी प्रदाय किया जावेगा।

नाग सांप के काटने से रविंद्रनगर में युवती की मौत

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

क्षेत्र के ग्राम पंचायत रविंद्रनगर में एक युवती की कोबरा सांप के काटने से मौत हो गई है। झाड़ फूंक के चक्कर में युवती के उपचार में विलंब होने की वजह से उसकी मौत होने की बात कही जा रही है। शासन-प्रशासन द्वारा आमजन को जागरूक करने काफी कोशिश किए जाने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के मन से अंधविश्वास दूर होता नहीं दिखाई पड़ रहा है। जागरूकता अभियान केवल कागजों में ही पूर्णरूप से सफल होती नजर आ रही है। गौरतलब है कि जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रविंद्रनगर निवासी प्रतिमा पिता श्यामल कीर्तनया रविवार की दोपहर करीब ढाई बजे घर में ही थी। तभी अचानक कोबरा सांप ने युवती के हाथ में काट लिया। जहरीले सांप के कांटने के बाद परिजन द्वारा तत्काल उपचार कराए जाने की बजाए कुछ घण्टे तक झाड़फूंक कराते रहे। इसके बाद युवती का स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ने उपरांत उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अजबनगर ले गए, जहां उचित उपचार की सुविधा न मिलने पर परिजन तत्काल युवती को अंबिकापुर अस्पताल ले गए, जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से गांव में शोक का माहौल निर्मित हो गया है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक
ब्रांच–गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा स्कूल रोड, अम्बिकापुर (30408)

आधिपत्य नोटिस (स्थावर संपत्ति)

अधोहस्ताक्षरकर्ता भारतीय स्टेट बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूमि हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित ऋणधारियों को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अतः ऋणग्रहिता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता में उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8) एवं (9) के साथ पढ़ा जाये एतस्मिन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य दी गई दिनांक को अधिग्रहण कर लिया गया है। ऋणग्रहिताओं को विशिष्टता और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्न वर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित भारतीय स्टेट बैंक गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा स्कूल रोड, अम्बिकापुर (30408), जिला–सरगुजा (छ.ग.) के प्रभार अधीन होगा।

ऋणी खाते का नाम/ संपत्ति का मालिक	आधिपत्य में ली गई सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना पत्र तिथि 04.05.2022
श्रीमती शकुन्तला अग्रवाल W/o सियाराम अग्रवाल श्री नीरज अग्रवाल S/o सियाराम अग्रवाल श्री नवीन अग्रवाल S/o सियाराम अग्रवाल	डायवर्ट की गई भूमि और डबल स्टोरी आवासीय का साम्यिक बंधक श्रीमती शकुंतला अग्रवाल पति श्री सियाराम अग्रवाल के नाम पर खसरा संख्या 12 के नं - 3467/4866/30 असर संख्या डब्ल्यू-4 (118.2 वर्ग मीटर के आकार में वसुंधरा पार्क रेजीडेंसी, सत्तीपारा, अंबिकापुर, जिला- सरगुजा (सीजी) में भवन। मूल पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 15/02/2018 पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 9378, पृष्ठ संख्या 234-278, क्रम संख्या 4591 उप पंजीयक अंबिकापुर, जिला सरगुजा में पंजीकृत। उत्तर में विक्रेता की बची हुई भूमि दक्षिण में रोशन गुप्ता की भूमि पूर्व में व्रिक्रेता की बची हुई भूमि पश्चिम में 25 फीट का सीसी रोड	उल्लेखित राशि रू. 25,85,995/– + देय ब्याज एव अन्य खर्चे आधिपत्य दिनांक 27.07.2022 दिनांक 02/08/2022

सवैधनिक चेतावनी : ऋणग्रहिता एवं ग्यारंटी इसे 30 दिन का बिक्री पूर्व नोटिस समझें। यदि 30 दिन के अंदर खाता बंद नहीं होता है तो सम्पत्ति की नीलामी कर दी जायेगी।

दिनांक : 02.08.2022 प्राधिकृत अधिकारी

कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ दुर्व्यवहार करने वाली केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का एनएसयूआई ने फूंका पुतला

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 01 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अधीर रंजन चौधरी के द्वारा महिला राष्ट्रपति को आपत्तिजनक बात कहने को लेकर निशाना साधने के चकर में कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ भी दुर्व्यवहार कर बैठी जिसे लेकर कांग्रेसियों में नाराजगी है

जिस पर कोरिया जिले में एनएसयूआई यूथ कांग्रेस के द्वारा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का पुतला दहन किया गया, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुजीत सोनी ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी यूपी चेयरमैनशिप पूर्व नेता विपक्ष पांच बार की सांसद होने के नाते एक वरिष्ठ पॉलीटिशियन के साथ कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी जिनके साथ दुर्व्यवहार स्वीकार नहीं किया जाएगा, पुतला दहन के दौरान बिहारी लाल रजवाड़े, विजय सिंह, सोनू राज यादव, अभिषेक दुबे, वीरेंद्र सोनी, सुजीत सोनी, वसीम खान सहित कई कांग्रेसी में मौजूद रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 ब-121/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती कृष्णा वर्मा पत्नी स्व0 गिरजा प्रसाद वर्मा, आयु लगभग 62 वर्ष, जाति-कायस्थ, निवासी मोहल्ला-ब्रम्हपारा, नगर अम्बिकापुर, थाना व तहसील-अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा, छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व और आधिपत्य कि स्थित नजूल भूमि मोहल्ला-ब्रम्हपारा, नगर अम्बिकापुर, में स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक-3148/1 एवं 3149/1 रकबा-$0.01^{1/2}$ एकड़ एवं $0.01^{1/4}$ एकड़ भूमि जो वर्तमान नजूल अभिलेख में भू- धारक श्रीमती कृष्णा वर्मा बेवा स्व0 गिरजा प्रसाद वर्मा, कु0 प्रियंका, कु0 आकांक्षा पुत्री स्व0 गिरजा प्रसाद वर्मा, गौरव वर्मा आ0 स्व0 गिरजा प्रसाद वर्मा, निवासी-ब्रम्हरोड, अम्बिकापुर के नाम पर संयुक्त रूप से अंकित है। आवेदिका उपरोक्त नजूल भूखण्डों पर प्रस्तावित नक्शा अनुसार भू-तल पर रकबा-36.49 वर्गमीटर एवं प्रथम तल पर रकबा-36.49 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय भवन का निर्माण कराना चाहती है। आवेदिका उपरोक्त नजूल भू-खण्डों पर प्रस्तावित नक्शा के अनुसार आवासीय भवन निर्माण करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड में आवासीय भवन निर्माण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-17/08/2022 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें हैं।

नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 01-08-2022 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0 अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमित कुमार अग्रवाल आ0 गुलाब चन्द अग्रवाल, उम्र-33 वर्ष निवासी- मकान नम्बर 350 बाजार रोड, लखनपुर तहसील-लखनपुर,, जिला-सरगुजा, छ0 ग0, के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रेता-विष्णु प्रताप अग्रवाल कर्ता एच.यू.एफ. आ0 स्व0 चन्द्रगीराम अग्रवाल उम्र-71 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0, के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-बाबुपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 3467/4866/95 रकबा 43110 वर्गफीट, भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट नजूल प्लॉट 3467/4866/95 रकबा 43110 वर्गफीट में से रकबा 1021 वर्गफीट भूमि व निर्मित मकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 13.05.2022 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता-विष्णु प्रताप अग्रवाल कर्ता एच.यू.एफ. आ0 स्व0 चन्द्रगीराम अग्रवाल उम्र-71 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0 ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 13.05.2022 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110,छ0ग0 भू- राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तत किया गया है।

अतः रक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-22/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोइ विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/08/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0 अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उदय राज सिंह आ0 स्व0 हरिहर सिंह, राहुल प्रताप सिंह आ0 उदय राज सिंह, निवासी- मकान नम्बर 444 एनटीपीसी सीपत पांधी उज्जवल नगर बिलासपुर, तहसील-बिलासपुर, जिला-बिलासपुर छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रता-विष्णु प्रताप अग्रवाल कर्ता एच. यू. एफ आ0 स्व0 चन्द्रगीराम अग्रवाल उम्र-71 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0, के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-बाबुपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 3467/4866/95 रकबा 43110 वर्गफीट, भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट नजूल प्लॉट 3467/4866/95 रकबा 43110 वर्गफीट में से रकबा 1021 वर्गफीट भूमि व निर्मित मकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 23.05.2022 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता-विष्णु प्रताप अग्रवाल कर्ता एच.यू.एफ. आ0 स्व0 चन्द्रगीराम अग्रवाल उम्र-71 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 23.0512022 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-22/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-01/08/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर

इंग्लैंड के खिलाफ होगी भारत की असली परीक्षा

बर्मिंघम, 01 अगस्त 2022। भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को यहां जब इंग्लैंड से भिड़ेंगी तो उसकी नजरें बदला चुकता करने पर टिकी होंगी जबकि राष्ट्रमंडल खेलों में यह टीम की पहली बड़ी परीक्षा होगी। भारतीय टीम ने पूल ए के अपने शुरुआती दो मैच में घाना पर 5-0 और वेल्स के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की है लेकिन सविता पूनिया की अगुवाई वाली टीम दबदबे वाला प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। मंगलवार को भारतीय टीम अतिरिक्त प्रेरणा के साथ उतरेगी क्योंकि यह वही इंग्लैंड टीम है जिसने तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक के प्ले आफ में उसे हराकर पदक से वंचित किया था। भारतीय टीम अपना पहला ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई थी लेकिन कांस्य पदक के प्ले आफ में इंग्लैंड से 3-4 से हार गई। इंग्लैंड ने ही 2018 में गोल्ड कोस्ट में पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को पदक से महरूम कर दिया था। भारत तब कांस्य पदक के मैच में 0-6 से हार गया था। स्वाभाविक रूप से भारतीय टीम बदला लेने के लिए तैयार होगी। भारत की राह हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि उसकी नौवीं रैंकिंग के मुकाबले इंग्लैंड की विश्व रैंकिंग पांच है।

भारत को इस तथ्य से आत्मविश्वास मिलेगा कि उन्होंने हाल ही में स्पेन और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विश्व कप में इंग्लैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया था। कप्तान सविता ने कहा, ''इंग्लैंड एक अच्छी टीम है और बर्मिंघम में उन्हें घरेलू हालात में खेलने का फायदा भी है। यह हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण मैच होगा लेकिन हम भी शुरुआती दो मैच में जीत के बाद अच्छी फॉर्म में हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने हाल के दिनों में इंग्लैंड के साथ खेला है इसलिए दोनों टीम एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह से जानती हैं। उन्होंने हमारे खिलाफ कुछ बड़े मैच भी जीते हैं इसलिए वे एक मजबूत टीम हैं लेकिन हमने अपनी तैयारी की है और यह उस दिन बेसिक्स सही रखने पर निर्भर करेगा।'' सविता ने कहा, ''यह प्रतियोगिता में एक महत्वपूर्ण मुकाबला है और हम अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' भले ही गुरजीत ने प्रतियोगिता में पेनल्टी कॉर्नर पर कुछ गोल किए हैं लेकिन भारत की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन के लिए पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाना एक बड़ी चिंता बनी हुई है। भारत अगर इंग्लैंड को पछाड़ना चाहता है तो अग्रिम पंक्ति को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है। वंदना कटारिया अग्रिम पंक्ति में भारत के लिए स्टार रही हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ दो गोल किए लेकिन उन्हें लालरेमसियामी और शर्मिला देवी जैसी खिलाड़ियों से अधिक समर्थन की आवश्यकता है। मिडफील्ड और अग्रिम पंक्ति के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत है जिससे कि अधिक मौके बनाए जा सकें। मंगलवार को एक और जीत भारत की सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित कर देगी। टीम बुधवार को कनाडा के खिलाफ आखिरी पूल मुकाबला खेलेगी।

भारतीय महिला टीम 'फोर्स' स्पर्धा के फाइनल में,राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक पक्का किया

बर्मिंघम, 01 अगस्त 2022। भारतीय महिला लॉन बॉल्स टीम ने सोमवार को यहां महिला फोर्स (चार खिलाड़ियों की टीम) स्पर्धा के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 16-13 से हराकर राष्ट्रमंडल खेलों में अपना एतिहासिक पहला पदक पक्का किया। भारतीय टीम पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में महिला फोर्स प्रारूप के फाइनल में पहुंची है। लवली चौबे (लीड), पिंकी (सेकेंड), नयनमोनी सेकिया (थर्ड) और रूपा रानी टिर्की (स्किप) की भारतीय महिला फोर्स टीम मंगलवार को स्वर्ण पदक के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। सेलिना गोडार्ड (लीड), निकोल टूमी (सेकेंड), टेल ब्रूस (थर्ड) और वेल स्मिथ (स्किप) की न्यूजीलैंड की टीम के खिलाफ दूसरे चरण के बाद 0-5 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की।

नौवें चरण के बाद दोनों टीम 7-7 से बराबरी थी जबकि 10वें चरण के बाद भारत ने 10-7 की बढ़त बना ली। इस करीबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम 14वें चरण के बाद 13-12 की मामूली बढ़त बनाने में सफल रही। इसके बाद भारत ने रूपा रानी के बेहरीन शॉट से 16-13 के स्कोर से मुकाबला जीत लिया। भारतीय पुरुष पेयर टीम रविवार को क्वार्टर फाइनल में उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ 8-26 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई थी।

भारतीय टेबल टेनिस में नया विवाद

महिलाओं के मैचों में मौजूद रहा पुरुष कोच

बर्मिंघम, 01 अगस्त 2022। भारतीय टेबल टेनिस टीम में फिर से नया विवाद पैदा हो गया है और इस बार यह उसके राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान के बीच में सामने आया है। महिला टीम स्पर्धा में मौजूदा चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में भाग ले रहे भारत को क्वार्टर फाइनल में मलेशिया ने उलटफेर का शिकार बनाया। दोनों टीमों में इतना अंतर था मलेशिया के कुछ खिलाड़ी तो विश्व रैंकिंग में भी शामिल नहीं हैं। भारतीय टीम की नामित महिला कोच अनिंदिता चक्रवर्ती नॉकआउट चरण के इस मैच के दौरान अनुपस्थित रही, जिससे कई सवाल उठने लगे। उनके बजाय पुरुष टीम के कोच एस रमन कोर्ट के पास में बैठे हुए थे। भारतीय टेबल टेनिस संघ का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति के एक सदस्य एसडी मुदगिल ने कहा, '' ऐसा नहीं होना चाहिए था।

महिलाओं के मैच के दौरान महिला कोच को ही उपस्थित होना चाहिए था। मैं इस मामले में टीम के साथ बात करूंगा।'' मुदगिल को टीम मैनेजर के रूप में भारतीय टीम के साथ बर्मिंघम में होना चाहिए था लेकिन खेल मनोचिकित्सक गायत्री वर्ताक को टीम से जोड़ने के लिए वह भारत में ही रुके रहे। रमन पुरुष खिलाड़ी जी साथियान के निजी कोच हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबला जब बेहद कड़ा हो गया था तब रमन को रीत ऋष्य को कोचिंग देते हुए देखा गया। इस अप्रत्याशित हार के बाद मनिका बत्रा की अगुवाई वाली टीम यहां तक कि मीडिया से बात करने के लिए भी नहीं रुकी जो कि इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में मानक प्रोटोकॉल होता है। रमन ने मुकाबले के बाद कहा, ''यह बेहद करीबी मुकाबला था। हमारे लिए संयोजन पूरी तरह से भिन्न था। एक रक्षात्मक खिलाड़ी, एक बाएं हाथ का खिलाड़ी और दाएं हाथ का खिलाड़ी का संयोजन हमारे लिए चुनौतीपूर्ण था। लड़कियों ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आज का दिन हमारा नहीं था।

साइकिलिंग में मयूरी लुटे महिलाओं की 500 मीटर टाइम ट्रायल फाइनल में 18वें स्थान पर रही

बर्मिंघम, 01 अगस्त 2022। भारत की मयूरी लुटे राष्ट्रमंडल खेलों की साइकिलिंग स्पर्धा में महिलाओं के 500 मीटर टाइम ट्रायल फाइनल में 18वें स्थान पर रही। लुटे ने 36 . 868 सेकंड का समय निकाला और वह 20 साइकिलिस्टों के फाइनल में 18वें स्थान पर रहीं। आस्ट्रेलिया की क्रिस्टीना क्लोनान ने 33 . 234 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के विश्वजीत सिंह पुरूषों की 15 किलोमीटर स्क्रैच रेस फाइनल पूरी नहीं कर सके। इससे पहले भारत के शीर्ष साइकिलिस्ट रोनाल्डो लेइतोनजैम को पुरुष स्प्रिंट स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रेलिया के मैथ्यू ग्लेट्जर के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। बीस साल के रोनाल्डो ने 200 मीटर की दूरी के लिए 10.011 सेकेंड का समय लिया जो ग्लेट्जर से 0.162 सेकेंड अधिक था। रोनाल्डो इससे पहले ली वैली वेलो पार्क में क्वालीफाइंग दौर में 10.012 सेकेंड के समय के साथ 13वें स्थान पर रहे थे।क्वालीफाइंग दौर में रोनाल्डो के टीम के साथी डेविड बैकहम (10.120 सेकेंड) और एसो एल्बेन (10.361 सेकेंड) क्रमश-18वें और 23वें स्थान पर रहे। रोनाल्डो ने जून में नयी दिल्ली में एशियाई ट्रैक चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग में स्प्रिंट स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

भारत के इन दो दोस्तों ने एक ही दिन कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते गोल्ड मेडल

बर्मिंघम, 01 अगस्त 2022। 28 अगस्त से राष्ट्रमंडल खेलों की शुरूआत हो गई है। भारत ने अब तक 6 मेडल हासिल कर लिए है। वेटलिफ्टिंग में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा है। बता दें कि भारतीय वेटिलिफ्टिर जेरेमी लालरिनुंगा और अचिंता शेउली ने एक ही दिन में दो गोल्ड जीतकर भारत का नाम रौशन कर दिया। महज 19 और 20 साल की उम्र में इन दोनों खिलाड़ियों ने देश के अलग-अलग राज्यों से आकर इंग्लैंड में इतिहास रच दिया। खेल के तीसरे दिन इन दोनों दोस्तों ने एक साथ भारत को गोल्ड दिलाया। जेरेमी ने जहां वेटलिफ्टिंग के 67 किग्रा भारवर्ग में गोल्ड जीतकर दिन की शुरुआत की तो वहीं अचिंता ने 73 किलो भारवर्ग में सोना जीतकर खेल का अंत किया।

दोनों है दोस्त

भारतीय खेल प्रधिकरण साई ने अपने ऑफिशियल ट्वीटर अकाउंट पर जेरेमी और अचिंता की बहुत पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों खिलाड़ी एक-साथ किसी अकादमी में बैठे नजर आ रहे हैं। साई ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है कि एक फ्रेम और इतिहास रचने वाले दो लोग। इसमें आगे लिखा, ÷जेरेमी ने 2018 में यूथ ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय थे। जबकि अचिंता 2021 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक (सिल्वर) जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी।÷जानकारी के लिए बता दें कि दोनों ही खिलाड़ियों की कई उपलब्धियां है। इन दोनों ने ही कॉमनवेल्थ गेम्स में कमाल करके दिखाया है। जेरेमी और अंचिता ने पहली बार कॉमनवेल्थ खेलों में हिस्सा ले रहे थे, लेकिन इससे पहले दोनों ही युवा विश्व चैंपियनशिप में इतिहास रच चुके थे।

धनुष अभिनीत वाथी का फर्स्ट लुक जारी

धनुष और संयुक्ता मेनन अभिनीत निर्देशक वेंकी अतलुरी की द्विभाषी फिल्म वाथी की इकाई ने फिल्म का पहला लुक जारी किया। फिल्म का निर्माण करने वाली फर्म सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने फर्स्ट लुक ट्वीट किया और लिखा, बहुमुखी धनुष के राजा का वाथी/सर में स्वागत है। आपके लिए वाथी फर्स्ट लुक पेश कर रहा हूं।

प्रोडक्शन हाउस ने यह भी ट्वीट किया कि फिल्म का टीजर रिलीज किया जाएगा।

एस. नागा वामसी और साईं सौम्या प्रतिष्ठित परियोजना को नियंत्रित कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग 5 जनवरी को हैदराबाद में शुरू हुई थी।

दिनेश कृष्णन, जिन्हें सुधु कव्वम, सेतुपति, थेगिडी और मारा जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है, को पहले फिल्म के छायाकार के रूप में नामित किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस परियोजना से बाहर कर दिया और छायाकार युवराज को उनके प्रतिस्थापन के रूप में लाया गया।

फिल्म का संपादन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक नवीन नूली ने और संगीत निर्देशक जी.वी. प्रकाश कुमार ने किया है।

6 साल बाद टीवी पर वापसी करेंगी मोना सिंह,पुष्पा इम्पॉसिबल में आएंगी नजर

जस्सी जैसी कोई नहीं में अभिनेत्री मोना सिंह ने एक चुलबुली लड़की का किरदार निभाया था। इस शो ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। वह मौजूदा दौर में टीवी की टॉप अभिनेत्री मानी जाती हैं। उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया है। ये अलग बात है कि फिल्मों में उनका सितारा नहीं चमका। अब ऐसी चर्चा है कि वह छह साल बाद टीवी की दुनिया में वापसी करेंगी। वह टीवी शो पुष्पा इम्पॉसिबल में नजर आ सकती हैं।

मोना ने अपनी वापसी पर मुहर लगाई है। उन्होंने यह सीरियल साइन कर लिया है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग भी शुरू कर दी है। इस सप्ताह के अंत तक वह शो में नजर आएंगी। इसमें वह एक वकील की भूमिका अदा करेंगी। इसको लेकर मोना ने कहा, मैं शो में दामिनी नाम की एक वकील की भूमिका निभा रही हूं और टीवी पर पहली बार मैं वकील की भूमिका में दिखूंगी। इस सीरियल में मोना एक कैमियो की भूमिका निभाएंगी। उनका कहना है कि उनके पास सिर्फ कैमियो करने का वक्त है। मोना ने कहा, मैं इस भूमिका को निभाने के लिए उत्साहित हूं। पुष्पा दामिनी की बेटी की मदद करती है और पुष्पा की बात जानने के बाद दामिनी उसकी मदद करने का

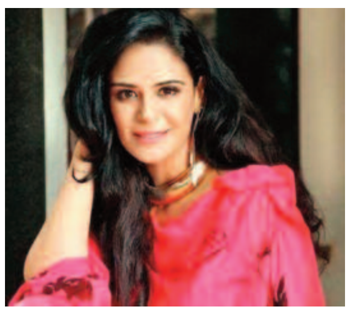

फैसला करती है। दामिनी जो आमतौर पर केस लड़ने के लिए ज्यादा फीस लेती है, लेकिन पुष्पा के मामले में वह मुफ्त में केस लड़ती है।

सीरियल पुष्पा इम्पॉसिबल एक उत्साही, दृढ़ इच्छाशक्ति से परिपूर्ण और स्वावलंबी महिला की कहानी है। यह सीरियल एक ऐसी महिला की कहानी बयां करती है, जो अपने बच्चों की खुशियों के लिए हर संभव प्रयास करती है। इसमें एक महिला छोटी-मोटी नौकरियां करके बच्चों की जिंदगी रोशन करना चाहती है। इतना जरूर है कि मोना की छोटी-सी भूमिका इस शो में चार चांद लगाएगी। सोनी सब चैनल पर इसका प्रसारण होता है।

मोना को आखिरी बार सीरियल कवच- काली शक्तियों से (2016) में देखा गया था। मोना ने टेलीविजन करियर की शुरुआत सीरियल जस्सी जैसी कोई नहीं से की थी। इसके अलावा उन्हें राधा की बेटियां कुछ कर दिखाएंगी और झलक दिखला जा जैसे शोज में देखा गया है। उन्होंने 3 इडियट्स, ऊट पटांग और जेड प्लस जैसी फिल्मों में काम किया है। वह आमिर खान और करीना कपूर अभिनीत लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी।

मोना ने 2019 में अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड श्याम राजगोपालन के साथ सात फेरे लिए थे। उनकी शादी की खूब चर्चा हुई थी। उनके पति श्याम एक प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय इनवेस्टमेंट बैंकर हैं।

सीक्रेट्स ऑफ द कोहिनूर में हुए खुलासे ने मुझे चौका दिया:मनोज बाजपेयी

प्रशंसित अभिनेता मनोज बाजपेयी, जिन्होंने सीक्रेट्स ऑफ द कोहिनूर श्रृंखला के लिए नीरज पांडे के साथ सहयोग किया है, उन्होंने कहा है कि कीमती हीरे कोहिनूर के बारे में वृत्तचित्र में किए गए खुलासे ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया।

मनोज ने कहा, वर्षों से बात किए जाने के बावजूद, कोहिनूर के बारे में कई तथ्य हैं जो मेरे लिए अज्ञात थे, और मुझे यकीन है कि वे दुनिया के अधिकांश लोगों के लिए भी अज्ञात होंगे। वृत्तचित्र में किए गए खुलासे मुझे ले गए आश्चर्य से और मैं दर्शकों के लिए इस अनकही कहानी का पता लगाने और बस आश्चर्यचकित होने का इंतजार नहीं कर सकता।डॉक्यूमेंट्री में ऐसे पहलुओं को उजागर किया गया है जैसे कि इसकी खोज के बाद के वर्षों में, हीरे का वजन उसके मूल वजन से छह गुना से भी कम हो गया है या कि कोहिनूर, जिसे हम अपना कहना चाहते हैं, वह वही हीरा नहीं हो सकता है जिसका उल्लेख बाबर ने अपने संस्मरण में किया है। सांसद और लेखक डॉ. शशि थरूर, इतिहासकार इरफान हबीब, डॉ. एड्रिएन म्यूनिख, प्रो. फरहत नसरीन, के.के. मोहम्मद, डॉ. मानवेंद्र कुमार पुंधीर, नवतेज सरना, जे. साई दीपक, डॉ. डेनियल किन्से, डॉ. माइल्स टेलर और मास्टर डायमंड पॉलिशर सुश्री पॉलीन विलेम्स। राघव जैरथ द्वारा निर्देशित, डॉक्यूमेंट्री कई शासकों की कहानियों और कोहिनूर के लिए उनकी अतृप्त इच्छा को भी उजागर करती है।

साई अभिषेक, हेड ऑफ फैक्टुअल एंड लाइफस्टाइल क्लस्टर- साउथ एशिया, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, ने साझा किया, कोहिनूर का मनोरम इतिहास और इसके अनछुए पहलू अब और भी अधिक प्रचलित हैं और दुनिया भर के दर्शकों द्वारा इसे जानने की आवश्यकता है।सीक्रेट्स ऑफ द कोहिनूर का प्रीमियर 4 अगस्त को डिस्कवरी प्लस पर होगा।

बिग बॉस 16 का हिस्सा बनना चाहती हैं कनिका मान

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री कनिका मान जिन्हे कि उनके सीरियल गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा में गुड्डन का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है, को हाल ही में रोहित शेट्टी के एडवेंचर बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 12 में प्रतियोगी के रूप में देखा गया था. हाल ही में कनिका ने यह बताया कि अब वे सलमान खान के शो बिग बॉस 16 का भी हिस्सा बनने की इच्छा रखती हैं.

उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी 12 मेरा पहला रियलिटी शो था और इस शो में मेरे पास समय की एक गेंद थी. इस शो के साथ मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा रहा. इस सीजन में हमारे साथ कई प्रतियोगी ऐसे थे, जो कि पहले से ही बिग बॉस का हिस्सा रह चुके थे और वे अक्सर इस शो में उनके अनुभव के विषय में चर्चा करते थे. वे हमेशा मुझसे कहते हैं कि खतरों के खिलाड़ी सबसे अच्छा शो है, लेकिन बिग बॉस की अपनी एक रोलर कोस्टर सवारी है और निश्चित रूप से इसे संजोने का एक अनुभव है. अगर चीजें ऐसी ही होती है तो मैं सच में बिग बॉस का हिस्सा बनना चाहूंगी. अब समय ही बताएगा की आखिर कनिका मान की यह इच्छा पूरी होती है या नही.

CMYK

शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार के साथ संस्कृति को आगे बढ़ाने का कर रहे हैं काम:बघेल

रायपुर 1 अगस्त 2022। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज एक दिवसीय जांजगीर-चाम्पा जिले के शिवरीनारायण प्रवास पर थे। इस दौरान उन्होंने माता शबरी और भगवान नर नारायण के दर्शन कर मंदिर में पूजा की और कन्नौजिया कुर्मी समाज के धर्मशाला का लोकार्पण किया। यहां आयोजित सामाजिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि प्रदेश के विकास में सभी समाज की सहभागिता जरूरी है। उनकी सरकार सभी समाज और वर्ग को साथ लेकर विकास की राह में आगे बढ़ रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की दिशा में जो भी योजनाएं बनाई गई है, उससे सभी समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों का उत्थान हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अपनी गौरवशाली संस्कृति है। इन्हें संरक्षित करने के साथ आने वाली पीढ़ी को बताने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने शिवरीनारायण में कन्नौजिया कुर्मी समाज के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्रमदान और सहयोग राशि से धर्मशाला भवन का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनते ही सबसे पहले किसानों का कर्ज माफ कर सर्वाधिक समर्थन मूल्य में धान खरीदी शुरू की गई। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत इस वर्ष 21 मई को पहली किस्त दी गई। दूसरी किस्त 20 अगस्त को तीजा पर्व से पहले दी जाएगी। तीसरी किस्त एक नवंबर

को और चौथी किस्त 31 मार्च को प्रदान की जाएगी। इसी तरह राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना की राशि भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन राशि से किसानों, गौपालकों तथा भूमिहीन मजदूरों के आय को बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांजगीर-चाम्पा जिले में बहुत अच्छा गौठान है। यहां भी गोबर की खरीदी होती है। इससे बनने वाले वर्मी कम्पोस्ट को इस्तेमाल धान उत्पादन में किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैरा का उपयोग भी खाद बनाने के लिए किया जा सकता है। यह सभी खेतों की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के साथ जमीन को उपजाऊ बनाती है। छत्तीसगढ़ की सरकार गौ सेवा के साथ गोबर और गौ-मूत्र की खरीदी भी कर रही है। गौमूत्र से कीटनाशक और गोबर से खाद बनाया जा रहा है। इससे किसानों, मजदूरों को आर्थिक लाभ पहुंच रहा है। ग्रामीण आद्यौगिक पार्क स्थापना से रोजगार के नये अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव-गांव गौठान बनाया गया है। इसका संचालन गांववासी करें और आत्मनिर्भर, स्वावलंबी बने। उन्होंने गांव में अतिक्रमण रोकने के लिए ग्रामीणों को जागरूक बनने की भी अपील की। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत श्री रामसुंदर दास, नगर पंचायत शिवरीनारायण अध्यक्ष श्रीमती अंजनी तिवारी, कन्नौजिया कुर्मी समाज के अध्यक्ष श्री छोटेलाल कश्यप और समाज के पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री रामकुमार यादव, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री रामकुमार पटेल सहित श्रीमती मंजू सिंह सदस्य अन्य भवन सन्निर्माण कर्मकार मण्डल, श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह उपाध्यक्ष जिला पंचायत, श्री व्यासनारायण कश्यप मण्डी अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा और स्वास्थ्य में हो रहा बदलाव

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुआ है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के माध्यम से गरीब बच्चों को सर्वसुविधायुक्त अध्यापन सुविधाएं मिलने के साथ अंग्रेजी की शिक्षा दी जा रही है। पहले किसी निजी स्कूल में पढ़ाने के लिए अधिक शुल्क देने के साथ पुस्तकों एवं ड्रेस के लिए भी अधिक पैसे खर्च करने पड़ते थे। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी आने वाले दिनों में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के गरीब वर्गों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सस्ती दर पर दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है। हाट बाजारों में लगने वाले क्लीनिक से मुफ्त में उपचार भी किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति को विश्व के मानचित्र पर लाना है

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति उन्नत, प्राचीन और गौरवशाली है। इसे दुनिया के मानचित्र पर आगे लाना है। यहां की आदिवासी संस्कृति को पहचान दिलाने के साथ सरंक्षित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। राजिम, गिरौदपुरी, दामाखेड़ा सहित शिवरीनारायण आदि के विकास के लिए कदम उठाए गए हैं। संस्कृति को संरक्षित करने के साथ पर्यटन को विकसित करने का काम किया जा रहा है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ भी इसी कड़ी का हिस्सा है। हमारे राज्य में विशिष्ट कार्य करने वाले महापुरूष और लोग है। ऐसे लोगों को सामने लाने के साथ आने वाले पीढ़ियों को भी उनसे अवगत कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है।

इंडोर स्टेडियम का नाम माता शबरी के नाम पर करने मुख्यमंत्री ने की घोषणा

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने शिवरीनारायण में बनाए जा रहे इंडोर स्टेडियम का नाम माता शबरी के नाम पर करने की घोषणा मंच से की। उन्होंने कन्नौजिया कुर्मी समाज के धर्मशाला हेतु अतिरिक्त कक्ष हेतु सहयोग करने की बात भी कही। उन्होंने 30 बेड अस्पताल भवन हेतु टेण्डर जारी होने तथा पर्यटन के विकास के लिए कार्य प्रगति पर होने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

घर के सामने से मोटर सायकल चोरी

पिथौरा, 01 अगस्त 2022। थाना अंतर्गत ग्राम लामीडीह में घर के सामने से मोटर सायकल चोरी, जिसपर मामला दर्ज किया गया है. आर्यन दुबे ने पुलिस को बताया कि ग्राम लामीडीह का रहने वाला है जल संसधान विभाग पिथौरा में डाक रनर के पद पर पदस्थ है वर्ष 2019 में वेदप्रकाश साहू पिता रोशनलाल साहू उम्र 25 साल साकिन रायतुम थाना पटेवा जिला महासमुंद से यामहा FZS मोटर सायकल क्रमांक CG 04 MT5741 को क्रय किया था उसका आरटीओ से नाम ट्रांसफर नही कराया था।

29 जुलाई 2022 के रात्रि 08.15 बजे घर के परछी में मोटर सायकल को खडी कर रखा था खाना खोकर सो गया 30 जुलाई 2022 के प्रातः 07 बजे देखा तो यामहा FZS मोटर सायकल क्रमांक CG 04 MT5741 जिसकी अनुमानित कीमत 30000 रूपये नही था बडा गेट खुला था कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया. मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध अपराध धारा 380-IPC, 457-IPC अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट, काउन्टर केस दर्ज

कोमाखान, 01 अगस्त 2022। थाना अंतर्गत ग्राम कसेकेरा में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट, काउन्टर मामला दर्ज किया गया है. मनीराम पटेल ने पुलिस को बताया कि रोजी मजदूरी का काम करता है। दोपहर करीब 03 बजे वह अपने घर में था. उसी समय उसके गांव का बोधन यादव उसके घर के सामने आया और पुरानी बातों को लेकर गाली गुप्तार करने लगा तब वह घर से बाहर निकलकर देखा उसके गांव का बोधन यादव था. जो पुरानी झगड़े की बात को लेकर उसे मां बहन की गाली गुप्तार कर रहा था. जिसे वह गाली देने से मना किया तो उसे हाथ मुक्का से मारने लगा तब वह बचाओ बचाओ चिल्लाया तब उसके गांव के नोहर साहू एवं गांव के अन्य लोग आकर झगड़ा को छुड़वाये हैं. जाते जाते बोधन यादव बोला कि आज तु बच गया नही तो जान से खत्म कर देता । बोधन यादव के मारने उसे उसके सिर, घुटना, गर्दन तथा बायें हाथ के कलाई के पास चोंटे आई है।

जबकि दुसरे पक्ष बोधन यादव के अनुसार 30 जुलाई को वह गांव के मनीराम पटेल के घर तरफ घुमने गया था. शाम करीबन 05 बजे वह मनीराम पटेल के घर के सामने में था कि उसी समय मनीराम पटेल अपने घर से निकलकर आया और पुरानी रंजिश को लेकर गंदी गंदी गाली गुप्तार कर जान से मारने की धमकी देकर अपने हाथ में रखे डण्डे से उसके सिर, हाथ, पीठ में मारपीट किया।.

अपहरणकर्ता गिरफ्तार, पुलिस ने किशोरी को सकुशल छुड़ाया

भिलाई। एक नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर उसे अगवा करने वाले आरोपित को नंदिनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ अपहरण की धारा के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि शहीद वीरनारायण सिंह नगर खुर्सीपार निवासी आरोपित शुगम देवांगन (22) ने नंदिनी थाना क्षेत्र की एक किशोरी को अगवा किया था।

परिवार वालों की शिकायत पर नंदिनी पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और तत्काल उसकी पतासाजी शुरू की गई। पतासाजी के बाद पुलिस ने किशोरी को आरोपित के कब्जे से बरामद किया।

महंगाई,बेरोजगारी,अग्निपथ योजना, आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन 5 अगस्त को

» राजधानी रायपुर में राजभवन घेराव किया जायेगा

रायपुर, 01 अगस्त 2022। देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना, आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाये जाने के विरोध में 5 अगस्त को राजधानी रायपुर के अंबेडकर चौक में प्रातः 11 बजे विशाल धरना प्रदर्शन के पश्चात राजभवन घेराव किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम व प्रदेश के वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहेंगे। ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक के कांग्रेस पार्टी के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपने ब्लॉक तथा जिला मुख्यालय में प्रदर्शन कर सामूहिक गिरफ्तारी देंगे। राजभवन घेराव में सभी विधायक, पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ नेता भाग लेंगे और सामूहिक गिरफ्तारी देंगे। लोकसभा और राज्यसभा के सांसद गण संसद से राष्ट्रपति भवन तक चलो राष्ट्रपति भवन मार्च करके महंगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ विरोध दर्ज कराएंगे। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री आवास घेराव करेगी, जिसमें सीडब्ल्यूसी के सदस्य गण एवं वरिष्ठ नेता गण शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। पेट्रोल, एलपीजी से लेकर दालें, कुकिंग ऑयल जैसी जरूरी चीजों की बढ़ी कीमतों ने आम लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। प्री-पैकेज्ड अनाज, आटा, शहद, दही जैसी आवश्यक वस्तुओं पर अतार्कित ढंग से जीएसटी लगाने के कारण महंगाई और बढ़ी है। साथ ही देश में बेरोजगारी भी अप्रत्याशित रूप से आसमान छू रही है। गांवों में, शहरों में, संगठित क्षेत्र में, असंगठित क्षेत्र में हर जगह बेरोजगारी ने विकराल रूप धारण कर रखा है। देश ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों, औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी देख रहा है। इसके अलावा, विवादास्पद, खराब कल्पना और जल्दबाजी में तैयार की गई अग्निपथ योजना, जिसमें कई जोखिम हैं, न केवल सशस्त्र बलों की लंबे समय से चली आ रही परंपराओं और लोकाचार को नष्ट कर दिया है, बल्कि लाखों बेरोजगार युवाओं की आकांक्षाओं को भी नष्ट कर दिया है। कांग्रेस पार्टी सदन से सड़क तक केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं रिकार्ड तोड़ महंगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ आवाज बुलंद कर रही है।

राज्यपाल सुश्री उइके से पूर्व विधायक शबनम मौसी ने की मुलाकात

रायपुर, 01 अगस्त 2022। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में पूर्व विधायक शहडोल शबनम मौसी ने सौजन्य भेंट की। शबनम मौसी ने राज्यपाल को उभयलिंगी समुदाय के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। राज्यपाल सुश्री उइके ने शबनम मौसी को उभयलिंगी समुदाय के लिए गठित उभयलिंगी कल्याण बोर्ड के संबंध में जानकारी दी। राज्यपाल ने कहा कि बोर्ड समुदाय के कल्याण के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने और उनके उत्थान का कार्य करता है।

13 मजदूर जम्मू-कश्मीर में बनाए गए बंधक

जांजगीर। जिले के 13 मजदूरों को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के बड़गांव थाना के डांगरपूरा गांव के ईट- भट्ठे पर बंधक बना लिया गया है। ये श्रमिक जांजगीर-चांपा के जैजैपुर व मालखरौदा ब्लाक के रहने वाले हैं। कुछ मजदूर रायगढ़ जिले के हैं।इन्हें मजदूर दलाल ईट - भट्?ठे में काम कराने के बहाने ले गया था। मगर ना तो अब इन्हें मजदूरी दी जा रही है, ना ही कहीं बाहर निकलने दिया जा रहा है। इनमें से एक बच्चे की तबीयत बिगड़ गई है। इसके बावजूद कोई वहां पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इन मजदूरों ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से मदद की गुहार लगाई है। जिन मजदूरों को बंधक बनाया गया है। उनमें जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र के जर्वे बड़े देवगांव और मालखरौदा में लोग शामिल हैं।

वहीं रायगढ़ के खरसिया क्षेत्र केभी कुछ मजदूर शामिल हैं। जैजैपुर क्षेत्र के उमेंद्र नारंगे 19 मई को इन्हें अपने साथ ले गया था। इनसे वादा किया गया था कि काम करने के बाद हर महीने अच्छे पैसे मिलेंगे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। इतना ही नहीं इन्हें डराया -धमकाया जा रहा है।वीडियो संदेश में इन मजदूरों ने बताया कि उन्हें पैसे का लालच देकर लाया गया, लेकिन पैसे नहीं दिए जा रहे हैं। दूसरी बात एक बच्ची की तबीयत बिगड़ गई है, पर ये लोग मदद ही नहीं कर रहे। ऊपर से उन्हें धमकी भी दी जाती है।

सीसीटीवी से उन पर निगरानी रखी जा रही है। उन्हें बाहर तक नहीं जाने दिया जाता है। उन्हें बड़गांव थाना के डांगरपुरा, गांव में रखा गया है। ईट भट्?ठे के ठेकेदार कौन है, यह भी उन्हें नहीं पता है। उन्होंने गुहार लगाई है कि किसी तरह से यहां से उन्हें छुड़ा लिया जाए। यहां वे काफी परेशान हैं।जो लोग बंधक हैं उनमें मनीष कुमार पंकज, संजना पंकज, चैतराम पकंज, अद्दनबाई पंकज, आयुष पकंज, गजेंद्र जांगड़े, राजकुमारी जांगड़े, सोनू कुमार जांगड़े, मोनू कुमार जांगड़े, सोनिया कुमारी जांगड़े, रामेश्वर बंजारे, दिव्या बंजारे, शिव बंजारे। इनमें से कुछ बच्चे और महिलाएं हैं।

कर्ज माफी के लिए मंत्री के बंगले के सामने डटे दिव्यांग,इस शर्त के साथ मिला आश्वासन

रायपुर, 01 अगस्त 2022। प्रदेश भर के 100 से अधिक दिव्यांगों ने सोमवार को कर्ज माफी की मांग को लेकर समाज कल्याण विभाग की मंत्री अनिला भेड़िया के बंगले के बाहर डेरा डाला. जब तक अपनी बात उन तक नही पहुँचाई तब तक वहां अड़े रहे.

छत्तीसगढ़ के 7 लाख दिव्यांगों पर 22 करोड़ का कर्ज हैं. कर्ज माफ कराने के लिए दिव्यांग सम्बंधित विभाग में ऑफिस के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई उनकी सुनने वाला नहीं हैं. इन्होंने निश्क्त जन वित्त विकास निगम द्वारा स्वरोजगार के लिए कर्ज लिया था, लेकिन कोरोना की वजह से किसी का रोजगार चालू नहीं हो पाया तो कई घाटे में चले गए.

अब दिव्यांगों की मांग हैं कि उनका कर्ज माफ हो. इसके साथ ही उनकी मांग है कि उन्हें सम्मानजनक पेंशन मिले जो कि चुनाव के समय घोषणा पत्र में 1000 रुपए पेंशन देने की बात कही थी. इन्हीं मांगों को लेकर मंत्री अनिला भेड़िया से मिले. मंत्री अनिला भेड़िया ने कहा कि पहले सर्वे कराया जाएगा. इसके बाद कर्ज माफ होगा. उन्होंने पेंशन के मुद्दे को कैबिनेट की बैठक में उठाने की बात भी कही।.

सीजी में 8 लाख का इनामी नक्सली ढेर

डीआरजी के जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़,नक्सली कमांडर हड़मा का शव बरामद

जगदलपुर, 01 अगस्त 2022। सुकमा जिले में सोमवार की तड़के सुबह डीआरजी के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें जवानों ने 8 लाख रुपए के एक इनामी नक्सली को मार गिराया. मौके से मारे गए नक्सली का शव भी बरामद कर लिया गया है. मारे गए नक्सली की पहचान नक्सली संगठन के छ्ङ्क्ष्ट्रूकमांडर हड़मा उर्फ सनकु के रूप में की गई है, जिस पर सरकार ने 8 लाख रुपए का ईनाम घोषित कर रखा था.

मृतक नक्सली हड़मा उर्फ सनकु सुकमा और बस्तर संभाग के अन्य जिलों में हुए कई बड़े नक्सली वारदातों में शामिल था. भेज्जी में सीआरपीएफ जवानों पर अटैक करने के साथ बुर्कापाल हमले में हड़मा उर्फ सनकू शामिल रहा. बुर्कापाल हमले में 25 जवानों की शहादत हुई थी, नक्सली कमांडर हड़मा उर्फ सनकु के मुठभेड़ में मारे जाने से पुलिस इसे अपने लिए बड़ी उपलब्धि बता रही है.

नक्सलियों के जमावड़े की सूचना पर भेजी गई थी टीम

सुकम जिले के एएसपी ओपी चंदेल ने बताया कि नक्सल प्रभावित भेज्जी इलाके के जंगलों में नक्सलियों के जमावड़े की खबर पुलिस को मिली थी. सूचना मिलते ही त्क्ळ और ब्त्थ् के जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया. मौके पर पहुंचने के बाद जवानों ने इलाके का घेराबंदी करना शुरू कर दिया. इसी दौरान नक्सलियों की नजर जवानों पर पड़ गई. इसके बाद नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग करना शुरू कर दिया. हमला होता देख जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की और दोनों ओर से लगभग 1 घंटे तक फायरिंग चली, जिसके बाद फायरिंग रुकने पर इलाके में सर्चिंग के दौरान इस मुठभेड़ में मारे गए एक वर्दीधारी नक्सली का शव जवानों ने बरामद किया, जिसकी पहचान छ्ङ्क्ष्ट्रूकमांडर हड़मा उर्फ सनकू के रूप में की गई.

नक्सली संगठन को बड़ा नुकसान : बस्तर आईजी

बस्तर आईजी पी सुंदरराज ने बताया कि मारा गया नक्सली माढ़ इलाके में पिछ्ले 13 सालों से सक्रिय था. उसके मारे जाने से इलाके में अब नक्सली दहशत काफी कम होगा. हड़मा उर्फ सनकु जिले में हुई सभी बड़ी नक्सली वारदातों में शामिल रहा है. इसके मारे जाने से नक्सली संगठन को भी काफी बड़ा नुकसान पहुंचा है.

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)